

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरूवार, 12 नवंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 301, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमला, 3 जवान घायल

बाइक सवार हमलावरों ने जवानों पर फायरिंग की, आतंकी हमले के बाद सुरक्षाकर्मियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज किया

श्रीनगर/एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी। घटना करीब 2:15 बजे की है। इसमें तीन जवान घायल हो गए। उन्हें अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो व राकेश दास के रूप में हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है। फायरिंग के बाद हमलावर फरार हो गए। सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। कुलगाम दक्षिण कश्मीर का संवेदनशील इलाका है। यहां सबसे ज्यादा आतंकी गतिविधियां होती हैं। यह श्रीनगर से करीब 70-75 किलोमीटर दूर है। कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां के साथ उस इलाके का हिस्सा है, जहां पहले भी आतंकी गतिविधियां होती रही हैं।

3 साल में 548 आतंकी घटनाएं हुईं

जम्मू-कश्मीर में 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में 45 जवान शहीद हुए हैं और 138 आतंकी मारे गए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर से आतंकियों की मदद करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। ये लोग आतंकी मॉड्यूल के जरिए महिलाओं को निशाना बनाते थे और विचारधारा और प्रचार को बढ़ावा दिया जा रहा था।





एक जवान की टांग, दूसरे के बाजू और तीसरे की पीठ में लगी गोली

हमले की सूचना मिलते ही निकटवर्ती शिविरों से सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने उसी समय पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए घायल जवानों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया।

घायल सीआरपीएफ जवानों के नाम

1. सीटी/जीडी राकेश दास, पुत्र अरुण दास, निवासी असम
2. सीटी/जीडी संतोष चंद्रू, पुत्र महावीर, निवासी बंगाल
3. एचसी/जीडी सोमवीर सिंह, पुत्र महावीर, निवासी मध्य प्रदेश



डाक्टरों के अनुसार, एक जवान की टांग में, दूसरे की बाजू में और तीसरे की पीठ में गोली लगी है। जवान संतोष चंद्रू की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमलावरों की तलाश में कई इलाकों में तलाशी अभियान

इस बीच, सुरक्षाबलों ने घटनास्थल के आस पास के सभी इलाकों में तलाशी अभियान चलाया है। घटनास्थल के आस पास उपलब्ध सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की जा रही है। सीआरपीएफ, पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

जम्मू-कश्मीर: पूरी घाटी में हाई अलर्ट घोषित

श्रीनगर/एजेंसी

कश्मीर में केवल एक स्थानीय आतंकी के सक्रिय होने के आधिकारिक दावों के महज 48 घंटे के भीतर ही सुरक्षा बलों ने चार स्थानीय आतंकवादियों के वांटेड पोस्टर जारी किए हैं। इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा हलकों में हड़कंप मच गया है और पूरी घाटी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। आतंकियों का सुराग देने वाले को पुलिस इनाम भी देगी। खुफिया एजेंसियों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि ये चारों वांटेड आतंकी इस समय श्रीनगर या उसके आसपास के इलाकों में छिपे हुए हैं। ये किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस खतरे को देखते हुए राजधानी श्रीनगर समेत पूरी घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया गया है। सक्रिय आतंकवादियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक धरपकड़ अभियान शुरू किया है। श्रीनगर के व्यस्ततम लाल चौक स्थित प्रताप पार्क की दीवारों और अन्य प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बलों ने आतंकियों के बड़े फ्लेक्स पोस्टर चस्पा किए।



जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट: सीमाओं से शहरों तक मुस्तैद जवान

इनमें चारों आतंकियों की तस्वीरें, नाम, पिता के नाम और पते स्पष्ट रूप से सार्वजनिक किए गए हैं। पोस्टरों में सोपोर के ब्राथ कलां निवासी बिलाल अहमद मीर और मोहम्मद उमर मीर, बारामुला के पट्टन निवासी आबिद कयूम लोन और कुलगाम जिले के खेवान चद्दर निवासी मोहम्मद लतीफ भट के नाम शामिल हैं। संवेदनशील पहलू यह है कि कश्मीर रेंज के आईजीपी सुजीत कुमार ने घाटी में केवल एक स्थानीय आतंकी लतीफ भट के सक्रिय होने की बात कही थी। अन्य तीन के बारे में पहले यह माना जा रहा था कि वे सीमा पार पीओके में हैं। अब 48 घंटे के भीतर चारों के पोस्टर सामने आने से जमीनी स्थिति और खुफिया आकलन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लतीफ भट पर इसी वर्ष जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की टारगेट किलिंग का भी आरोप है। जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट: सीमाओं से शहरों तक मुस्तैद जवान, सियाचिन से जम्मू तक सुरक्षा चाक-चौबंद

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।



- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735



4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

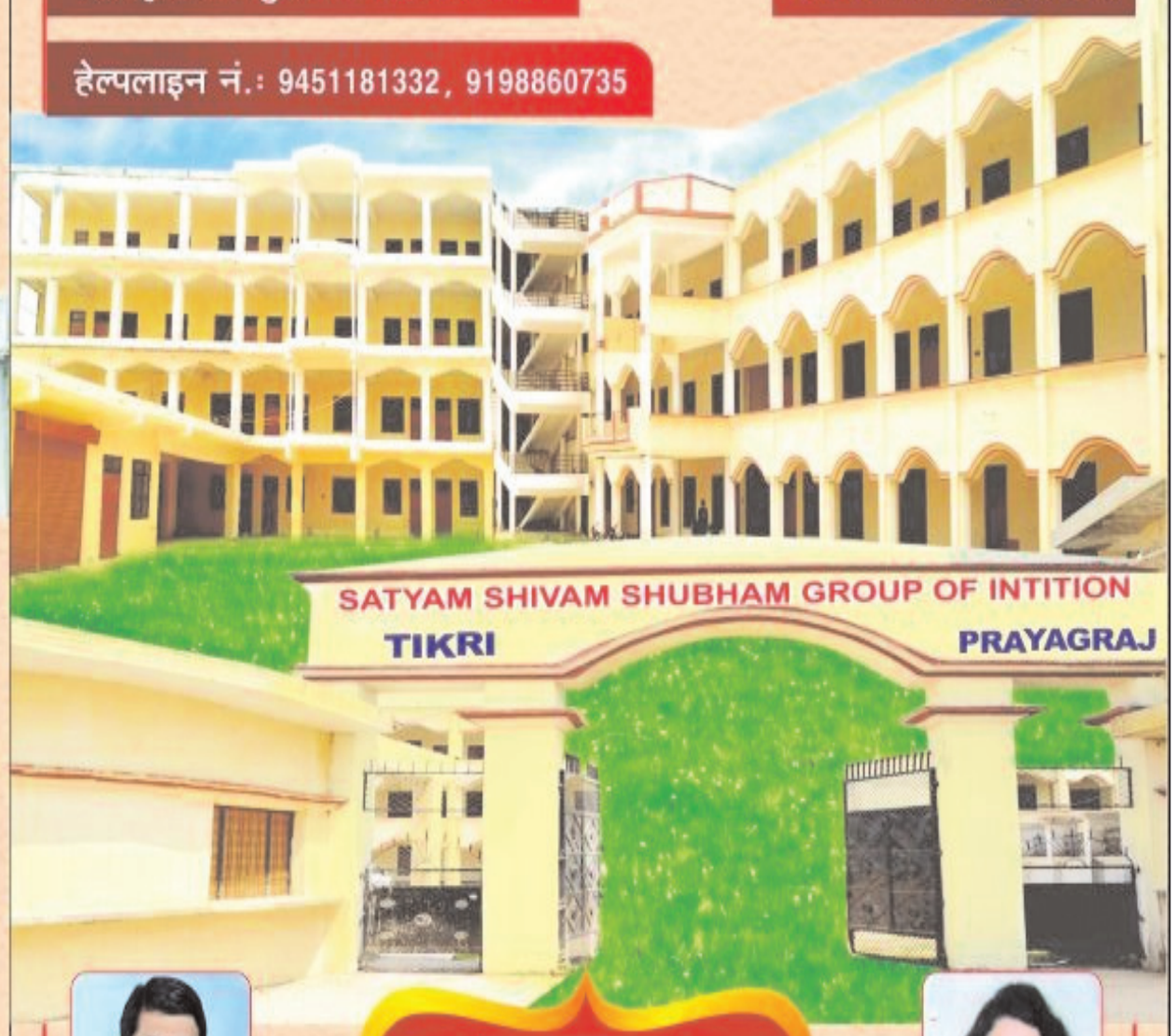
टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735





संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.



राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

भैया दूज पर डीएम और एसएसपी ने केसी घाट समेत यमुना घाटों का किया नौका विहार निरीक्षण, दिए सुरक्षा के कड़े निर्देश





मथुरा, पावन पर्व यम द्वितीया (भैया दूज) के अवसर पर जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सुचारू व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने संयुक्त रूप से थाना वृंदावन क्षेत्रांतर्गत केसी घाट सहित अन्य प्रमुख यमुना घाटों का नौका विहार के माध्यम से सघन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने पर्व के अवसर पर यमुना स्नान के लिए देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में घाटों पर की गई विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन के मार्गों तथा भीड़ नियंत्रण के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व के दृष्टिगत सभी घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से यमुना स्नान कर सकें। इसके साथ ही, घाटों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा आवागमन के मार्गों को सुगम बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने नाविकों को भी सख्त निर्देश दिए कि वे सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही नावों का संचालन करें और सभी यात्रियों को अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट पहनाएं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। घाटों पर सतर्क निगरानी रखी जाए तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने दी जाए। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए गए।

दोनों अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यम द्वितीया के पावन पर्व पर जनपद में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही, सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ दायित्व निभाने और पर्व के दौरान निरंतर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

अपराध नियंत्रण और साइबर ठगी रोकने पर एसपी ने दिए सख्त निर्देश

मासिक अपराध समीक्षा बैठक में लंबित विवेचनाओं, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी और महिला अपराधों की हुई समीक्षा



स्वाती मिश्रा

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह एवं जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और साइबर अपराधों की रोकथाम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान लंबित विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण, वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा महिला संबंधी अपराधों की समीक्षा की गई। साथ ही साइबर अपराधों में त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों की शिकायतों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सतर्कता बरती जाए। साइबर अपराधों के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बुलंदशहर पुलिस मेरठ जोन में प्रथम

प्रदेश में पांचवां स्थान मिलने पर एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में बुलंदशहर पुलिस ने सीएम डैशबोर्ड की अक्टूबर माह की रैंकिंग में मेरठ जोन में पहला और प्रदेश में पांचवां स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की।

उत्तर प्रदेश शासन की ओर से सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाती है। इसके जरिए 53 विभागों की 588 से अधिक परियोजनाओं और योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है।

बुलंदशहर पुलिस को यह स्थान शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई के आधार पर मिला है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय पुलिस टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी जनसेवा, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक, सुरक्षा के बताए उपाय



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर जिले में मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के तहत बुधवार को व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। बुधवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने गांवों, कस्बों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्हें महिला सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों, महिला सशक्तिकरण, साइबर अपराधों से बचाव और गुड टच-बैड टच के बारे में जानकारी दी। साथ ही आत्मरक्षा के तरीके, सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में बिना डर के पुलिस से संपर्क करें। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में भी जानकारी दी गई। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक कर सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

पुलिस, राजस्व और आबकारी विभाग की संयुक्त छापेमारी, 1500 लीटर लहन नष्ट



सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। जनपद में अवैध कच्ची शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए थाना बढ़ापुर पुलिस, राजस्व विभाग और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम मदपुरी के जंगल में छापेमारी कर सर्च अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने अवैध शराब बनाने के उपकरण, निर्माण स्थल और करीब 1500 लीटर लहन को नष्ट किया। हालांकि मौके से कोई अवैध शराब बरामद नहीं हुई।

पुलिस अधीक्षक बिजनौर कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी नगीना के निकट पर्यवेक्षण में 4 नवंबर 2026 को यह संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने जंगल के वनाच्छादित क्षेत्र में तलाशी ली और अवैध कच्ची शराब के निष्कर्षण एवं बिक्री से संबंधित संभावित स्थानों की जांच की।

संयुक्त टीम ने पैदल गस्त कर ग्रामीणों को भी जागरूक किया थाना प्रभारी नगीना धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि भविष्य में अवैध कच्ची शराब के निर्माण बिक्रियों परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार सर्च अभियान चलाए जाएंगे इस अवैध कारोबार में शामिल पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत बुधवार को जिलेभर में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में सभी थानों की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, महिला अपराधों की रोकथाम और आत्मरक्षा के उपायों की जानकारी दी। साथ ही ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याओं के त्वरित एवं विधिक निस्तारण का भरोसा दिलाया। अभियान के दौरान महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता हेल्पलाइन 1098 और साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में बताया गया। इसके अलावा साइबर अपराध की शिकायत के लिए cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

बस स्टैंड पर महिला से लूटपाट, गले से सोने की चेन झपटकर बदमाश फरार



सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। चांदपुर में भैया दूज के पर्व पर अपने भाई से मिलकर लौट रही महिला के साथ चेन छीनने की घटना हो गई। रोडवेज बस स्टैंड पर अज्ञात व्यक्ति महिला के गले से लगभग डेढ़ तोले की सोने की चेन छीनकर फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पुलिस चौकी पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

धामपुर निवासी ममता भैया दूज के अवसर पर चांदपुर के मोहल्ला चिम्मन में अपने भाई राकेश कुमार के घर आई थीं। पर्व की रस्म पूरी करने के बाद वह धामपुर जाने के लिए रोडवेज बस स्टैंड पहुंचीं। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके गले से सोने की चेन खींच ली और वहां से भाग निकला।

अचानक हुई इस घटना से महिला परेशान हो गईं। उन्होंने अपने भाई को फोन कर पूरी जानकारी दी। इसके बाद राकेश कुमार बहन के साथ अम्बेडकर चौकी पहुंचे और थाना प्रभारी निरीक्षक चांदपुर के नाम लिखित शिकायत देकर घटना की जानकारी दी।

राकेश कुमार ने पुलिस से चेन छीनने वाले अज्ञात व्यक्ति का पता लगाकर घटना का जल्द खुलासा करने तथा कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

भैया दूज के पर्व पर बहन के घर जा रहा भाई सड़क हादसे में घायल



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भैया दूज के पर्व पर अपनी बहन के घर त्यौहार मनाने जा रहा भाई सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया है जिससे दोनों परिवारों में गंभीर दुख व्याप्त है कोखराज थाना क्षेत्र के चाकवन चौराहा से कुछ आगे तालाब के पास बुधवार की शाम को एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया है और बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा हैजिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है आसपास से गुजर रहे लोगों ने जब दुर्घटना देखी तो मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए एंबुलेंस से अस्पताल भेजा है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है ।

जानकारी के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के मुकीमपुर गांव निवासी अनुज गुप्ता उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र मक्खन लाल गुप्ता बुधवार की शाम करीब 7:00 बजे बाइक से अपनी बहन के घर कसिया पश्चिम गांव जा रहे थे जैसे ही अनुज गुप्ता कोखराज थाना क्षेत्र के चाकवन चौराहे से आगे तालाब के पास पहुंचे सामने से आ रहे वाहन को बचाने के चक्कर में वह अनियंत्रित हो गए हैं और पेड़ से टकरा गए हैं टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक से दूर छिटक कर दूर जा गिरे हैं इस दुर्घटना में वह लहू लुहान हो गए हैं आसपास से गुजर रहे लोगों ने जब हादसा देखा तो मामले की सूचना डायल पुलिस एंबुलेंस और कोखराज पुलिस को दी है मौके पर कोखराज पुलिस डायल 108 पुलिस और एंबुलेंस पहुंची है घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही उनके रिश्तेदार और परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं।

यातायात माह में 606 वाहनों का चालान, दो सीज



सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। यातायात माह के तहत कौशाम्बी पुलिस ने बुधवार को जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में चले अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 606 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि दो वाहनों को सीज कर दिया गया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों ने प्रमुख मार्गों और दुर्घटना संभावित स्थानों पर वाहनों की जांच की। यातायात प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ राजा होटल और देवानंद होटल पहुंचकर वाहन चालकों, होटल संचालकों और ट्रैक्टर चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप भी लगवाए गए, ताकि रात में कम रोशनी के दौरान वाहन दूर से दिखाई दे सकें।

पुलिस ने ट्रैक्टर चालकों को रेलवे क्रॉसिंग और अन्य रास्तों को पार करते समय दोनों ओर देखकर ही वाहन आगे बढ़ाने की सलाह दी। साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, दोपहिया पर हेलमेट और चारपहिया पर सीट बेल्ट लगाने की अपील की।

पुलिस ने नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत भी दी।

होटल और ढाबों पर वाहन चालकों को किया जागरूक, वाहनों पर लगवाए रिफ्लेक्टिव टेप

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। यातायात माह के तहत कौशाम्बी पुलिस ने बुधवार को जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में चले अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 606 वाहनों का ई-चालान किया गया, जबकि दो वाहनों को सीज कर दिया गया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों ने प्रमुख मार्गों और दुर्घटना संभावित स्थानों पर वाहनों की जांच की। यातायात प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ राजा होटल और देवानंद होटल पहुंचकर वाहन चालकों, होटल संचालकों और ट्रैक्टर चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप भी लगवाए गए, ताकि रात में कम रोशनी के दौरान वाहन दूर से दिखाई दे सकें।

पुलिस ने ट्रैक्टर चालकों को रेलवे क्रॉसिंग और अन्य रास्तों को पार करते समय दोनों ओर देखकर ही वाहन आगे बढ़ाने की सलाह दी। साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, दोपहिया पर हेलमेट और चारपहिया पर सीट बेल्ट लगाने की अपील की।

पुलिस ने नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत भी दी।

अखिलेश अहंकार में न रहें, जनता हर बार घमंड तोड़ती रही है : केशव मौर्य

सपा को पिछड़ों और दलितों का भरोसा नहीं, कांग्रेस का एजेंडा सिर्फ राहुल को पीएम बनाना

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अहंकार में न रहें। जनता हर बार उनके अहंकार को चूर-चूर करती रही है। चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करना और जीत के सपने देखना उनकी आदत बन गई है। वर्ष 2022 में भी सपा ने 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया था, लेकिन जनता ने उसे उसकी राजनीतिक हैसियत बता दी।

बुधवार को जारी बयान में मौर्य ने कहा कि सपा ने कभी पिछड़ों और दलितों का सम्मान नहीं किया। अखिलेश यादव इन वर्गों का हितैषी होने का दिखावा कर रहे हैं, जबकि पिछड़ा और दलित समाज सपा की राजनीति को समझ चुका है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली सफलता को सपा अपनी स्थायी ताकत न समझे। अखिलेश यादव को सपने देखने का अधिकार है, लेकिन उनके सपने पूरे होने वाले नहीं हैं।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी देशहित, जनहित, गरीब, किसान और महिला कल्याण के मुद्दों से भटक गई है। कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना रह गया है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर देश विरोधी और विभाजनकारी ताकतों को समर्थन देने का आरोप भी लगाया।

50 हजार का इनामी गैंगस्टर रेहान कानपुर से गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी पुलिस और एसटीएफ प्रयागराज की संयुक्त टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन से दबोचा

कौशांबी। गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी रेहान को कौशांबी पुलिस और एसटीएफ प्रयागराज की संयुक्त टीम ने कानपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को जूही थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ा गया।

पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर को मुखबिर की सूचना और अभिसूचना संकलन के आधार पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। रेहान के खिलाफ कोखराज थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। मामले की विवेचना थाना सैनी पुलिस कर रही थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को थाना सैनी लाया गया।

सौरभ को गोली मारने वालों पर 10-10 हजार का इनाम, पुलिस की तीन टीमें लगीं

बागपत, बागपत जिले के रमाला थाना क्षेत्र के गांव गोपालपुर खड़ाना में हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। सौरभ को गोली मारने वाले दोनों आरोपियों मोनू और धीरज पर पुलिस अधीक्षक बागपत ने 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 03 पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

रमाला थाना क्षेत्र के गांव गोपालपुर खड़ाना में विपिन और उसके भाई सौरभ की गांव के ही मोनू और धीरज से आपसी कहासुनी को लेकर मारपीट हो गई थी। मारपीट के दौरान विपिन घायल हो गया। इसी दौरान धीरज ने गोली चला दी।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, घर में घुसकर मारपीट और गाली-गलौज करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल



संजीव विश्वकर्मा सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। स्योहारा थाना क्षेत्र में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्योहारा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और जानलेवा हमला करने के आरोप में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी गांव मंडौरी के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 10 नवंबर 2026 को थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम मंडौरी निवासी रूपा देवी पत्नी कृष्णपाल ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पंकज कुमार पुत्र सतवीर सिंह, सतवीर पुत्र परमा सिंह, बिजेंद्र कुमार पुत्र जगराम तथा रोहित पुत्र बिजेंद्र निवासीगण ग्राम मंडौरी थाना स्योहारा उनके घर में घुस आए। आरोप है कि उक्त लोगों ने वादिया तथा उसके पति कृष्णपाल और पुत्री के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों एवं धारदार हथियार से मारपीट की।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 0419/2026 धारा 109(1), 333, 115(2), 118(1) एवं 352 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी।

इसी क्रम में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमे में नामजद दो अभियुक्तों रोहित पुत्र बिजेंद्र, उम्र करीब 24 वर्ष तथा सतवीर पुत्र परमा सिंह, उम्र करीब 50 वर्ष, निवासी ग्राम मंडौरी थाना स्योहारा जनपद बिजनौर को दिनांक 11 नवंबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को मेडिकल परीक्षण कराकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामले में पुलिस की विवेचना अभी प्रचलित है।

भैया दूज पर योगी सरकार ने युवाओं और किसान परिवारों को दी बड़ी सौगात

गोरखपुर, भैया दूज के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं और किसान परिवारों को सौगात देकर रोजगार, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को एक बार फिर सामने रखा। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें गोरखपुर के 54 अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत प्रदेश के 4300 किसान परिवारों के बैंक खातों में 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। गोरखपुर के 179 किसान परिवारों को भी पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में दस कनिष्ठ सहायकों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें गोरखपुर की अंकिता सिंह भी शामिल रहीं। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करना अंकिता के लिए गौरव और खुशी का विशेष क्षण रहा। प्रदेश के युवाओं को सरकारी सेवा से जोड़ने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गोरखपुर जिले के कलेक्ट्रेट के 45 और मंडलायुक्त कार्यालय के नौ कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस प्रकार जिले के कुल 54 युवाओं को सरकारी सेवा में काम करने का अवसर मिला है।



योगी सरकार की ओर से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही किसान परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत प्रदेश के 4300 लाभार्थियों के खातों में 215 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे भेजी। प्रत्येक लाभार्थी परिवार को पांच लाख रुपये की सहायता दी गई। डीबीटी व्यवस्था के माध्यम से धनराशि सीधे खातों में पहुंचने से पारदर्शिता और समयबद्ध भुगतान को बढ़ावा मिला है। दुर्घटना के कारण परिवार पर आए आर्थिक संकट के समय यह सहायता उन्हें संबल देने का काम करेगी।

गोरखपुर में भी योजना के तहत 179 किसान परिवारों को लाभान्वित किया गया। जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन में ई-डिस्ट्रिक्ट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. वैभव शर्मा और मुख्य राजस्व अधिकारी हिमांशु वर्मा ने लाभार्थियों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। इस दौरान सहायक सामान्य लिपिक शिव कुमार मौर्य और मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना से जुड़ी करुणा निधि सिंह ई डिस्ट्रिक मैनेजर नीरज श्रीवास्तव सहित संबंधित लेखपाल मौजूद ।

सरकार की इस पहल से दुर्घटना से प्रभावित किसान परिवारों को आर्थिक सहारा मिला है। किसान परिवारों के लिए संकट की घड़ी में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, कनिष्ठ सहायकों की नियुक्ति से सरकारी विभागों को नए कर्मचारी मिलेंगे और चयनित युवाओं को रोजगार का अवसर प्राप्त होगा।

भैया दूज के अवसर पर रोजगार और किसान कल्याण से जुड़ी इन दोनों पहलों ने सरकार के उस दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें युवाओं को अवसर देने के साथ जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने पर जोर है। एक ओर 1146 युवाओं के हाथों में नियुक्ति पत्र पहुंचे, तो दूसरी ओर 4300 किसान परिवारों तक 215 करोड़ रुपये की सहायता पहुंची। गोरखपुर के 54 युवाओं और 179 किसान परिवारों को मिला लाभ जिले के लिए भी बड़ी उपलब्धि है।

जिला कारागार में भैयादूज पर उमड़ी बहनों की भीड़, 750 बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक

पांच शिफ्टों में हुई मुलाकात, 11 भाई और 311 बच्चे भी पहुंचे जेल



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भैयादूज के पावन पर्व पर बुधवार को जिला कारागार प्रयागराज में भावुक माहौल देखने को मिला। जेल में निरुद्ध बंदी भाइयों से मुलाकात करने के लिए बड़ी संख्या में बहनें पहुंचीं। कारागार प्रशासन की ओर से पांच शिफ्टों में मुलाकात की व्यवस्था की गई।

इस दौरान करीब 750 बहनों और 11 भाइयों ने अपने परिजनों से मुलाकात की। उनके साथ 311 बच्चे भी पहुंचे।

भैयादूज के अवसर पर बंदियों और उनके परिजनों के बीच मुलाकात के लिए कारागार प्रशासन ने सुरक्षा के साथ जरूरी इंतजाम किए थे। पर्व पर बहनों ने अपने बंदी भाइयों से मुलाकात कर परंपरागत तरीके से त्योहार मनाया। कारागार में निरुद्ध बंदी भाई-बहनों ने भी हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे के नेतृत्व में जेलर अनिल कुमार विश्वकर्मा, उप जेलर अभिलाषा, सौरभ सिंह यादव, विजय प्रसाद, अमर सिंह सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुलाकात की व्यवस्था संभाली। प्रशासन की ओर से सभी मुलाकातें नियमानुसार और सुचारु रूप से संपन्न कराई गईं।

चोरी के ई-रिक्शा से बैटरी चुराने निकले युवक समेत दो पकड़े गए

मऊआइमा से चुराया था ई-रिक्शा, बहरिया पुलिस ने किया बरामद



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मऊआइमा से ई-रिक्शा चोरी कर उससे वाहनों की बैटरी चुराने की योजना बना रहे युवक और एक बाल अपचारी को बहरिया पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का ई-रिक्शा भी बरामद किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान सोरांव के मादोपुर उर्फ सघनगंज निवासी गणेश कौशल (19) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नौ नवंबर को मऊआइमा कस्बे से ई-रिक्शा चोरी किया था। इसके बाद उसे छिपाकर रखा था। मंगलवार को दोनों इसी ई-रिक्शा से सड़क किनारे खड़े वाहनों की बैटरी चोरी करने की फिराक में थे। इसी दौरान बहरिया पुलिस ने सिलोखरा स्थित राधारमण कॉलेज मोड़ के पास घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। उनके पास से यूपी 70 आरटी 6202 नंबर का ई-रिक्शा बरामद हुआ।

ई-रिक्शा चोरी के मामले में मऊआइमा थाने में पहले से मुकदमा दर्ज था। बहरिया पुलिस ने बरामदगी के आधार पर बीएनएस की धारा 317(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार गणेश कौशल के खिलाफ सोरांव, मऊआइमा और बहरिया थानों में तीन मुकदमे दर्ज हैं।

बरामदगी करने वाली टीम में

चौकी प्रभारी सिकंदरा मारुति नंदन तिवारी, उपनिरीक्षक शिवाकांत शर्मा, चंदन कुमार यादव समेत नौ पुलिसकर्मी शामिल रहे।

आनापुर में गूंजा जय श्रीराम का जयघोष

साधु-संतों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया 33वें क्षेत्रीय रामायण मेले का भव्य शुभारंभ



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आनापुर में बुधवार को 33वें चार दिवसीय क्षेत्रीय रामायण मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। साधु-संतों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं जय श्रीराम के जयघोष के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्रृंगवेरपुर धाम के पीठाधीश्वर कमल नयन महाराज ने कहा कि श्रीरामचरितमानस समाज में प्रेम, सौहार्द और सदाचरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्रीय रामायण मेला 33 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहा है और इस आयोजन के माध्यम से लोग कथा रूपी गंगा में डुबकी लगाकर संस्कारवान बन रहे हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। अयोध्या के जानकी घाट से पधारे लाल बाबा ने कहा कि रामचरितमानस स्वयं भगवान श्रीराम का स्वरूप है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को तीर्थराज कहा जाता है, लेकिन चलता-फिरता प्रयागराज सत्संग है। अयोध्या से आए रामदास महाराज ने कहा कि रामचरितमानस की प्रत्येक चौपाई मंत्र के समान है। वहीं गढ़वा वाले महाराज ने भगवान श्रीराम के मर्यादित जीवन का वर्णन करते हुए कहा कि उनका जीवन त्याग, मयार्दा और कर्तव्य पालन की सबसे बड़ी सीख देता है। मुख्य वक्ता दंडी स्वामी विनोदानंद जी महाराज ने राम वन गमन की कथा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राम वन की कथा त्याग, निष्ठा, कर्तव्य, अनुसरण और आचरण की सीख देती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय रामायण मेला श्रृंगवेरपुर धाम के महामंत्री उमेश द्विवेदी, मेले के अध्यक्ष जयराम सिंह, हनुमांत सिंह, राजेश सिंह, विनोद ओझा, राहुल सिंह, इंद्रदेव सिंह, सूचना अधिकारी सोनभद्र रुद्रनाथ सिंह, दीवान सिंह, विनय सिंह, के.डी. सिंह, अनुप सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बलराम सिंह एडवोकेट ने किया।

भाई दूज के बाद घर चलने को लेकर विवाद, पति ने पत्नी का चाकू से रेता गला

बहराइच, उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। भाई दूज के बाद घर लौटने की बात को लेकर हुए विवाद में पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने महिला के बाल पकड़कर पीछे से उसके गले पर चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को पहले सीएचसी नवाबगंज और फिर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया।



नानपारा के राजापुर इमिलिया गांव निवासी मुंशीलाल अपनी पत्नी गुड़िया (26) के साथ इलाके के एक ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करता है। दीपावली पर दोनों नवाबगंज क्षेत्र के धनकुट्टी गांव स्थित गुड़िया के मायके आए थे। दीपावली के बाद मुंशीलाल ने पत्नी से घर चलने को कहा, जबकि गुड़िया ने भाई दूज की पूजा और परंपरा निभाने के बाद जाने की बात कही। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। बाद में मुंशीलाल मान गया, लेकिन विवाद पूरी तरह शांत नहीं हुआ।

बुधवार दोपहर गांव के एक घर में सत्यनारायण कथा का आयोजन था। परिवार के लोग कथा में शामिल होने गए थे।

कथा समाप्त होने के बाद गुड़िया प्रसाद लेने के लिए घर से निकली। आरोप है कि घर से करीब 50 मीटर दूर पीछे से पहुंचे मुंशीलाल ने उसके बाल पकड़ लिए और गले पर चाकू से वार कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल गुड़िया को लहूलुहान हालत में देखा और भागने की कोशिश कर रहे मुंशीलाल को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

नवाबगंज थाना प्रभारी जितेंद्र यादव ने बताया कि घायल महिला को तत्काल सीएचसी नवाबगंज ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

हालत गंभीर होने पर बुधवार शाम करीब छह बजे चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भाई दूज पर मथुरा रेलवे जंक्शन पर उमड़ा यात्रियों का भारी सैलाब

मथुरा, भाई दूज के पावन पर्व पर अपने भाई-बहनों से मिलने और त्योहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से निकले, त्योहार के चलते जहां एक ओर शहर की सड़कों पर जाम की स्थिति देखने को मिली, वहीं दूसरी ओर मथुरा रेलवे जंक्शन पर भी यात्रियों का भारी सैलाब उमड़ पड़ा। खासकर मथुरा से हाथरस और कासगंज की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली।

बुधवार सुबह से ही रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर यात्रियों की आवाजाही लगातार बढ़ती रही। ट्रेन के इंतजार में बड़ी संख्या में लोग स्टेशन पर मौजूद रहे और ट्रेनों के पहुंचते ही उनमें सवार होने के लिए यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। मथुरा जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के जवान मुस्तैदी से तैनात रहे। जवानों ने स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर व्यवस्था संभाली तथा यात्रियों को सुरक्षित तरीके से ट्रेनों में बैठाने में पूरा सहयोग किया।

कार्रवाई न होने से किसानों में नाराजगी, 29वें दिन भी जारी रहा धरना

फसल बर्बाद होने से चिंतित किसान, उप जिलाधिकारी सोरांव को ठहराया जिम्मेदार; बीडीओ कौड़िहार के निलंबन की मांग



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। किसानों की समस्याओं को लेकर चल रहा धरना लगातार 29वें दिन भी जारी रहा। कार्रवाई न होने से किसान परेशान हैं। उनका कहना है कि खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो रही है, लेकिन संबंधित अधिकारी समस्या का समाधान नहीं करा रहे हैं। इससे किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्र ने इस मामले में उप जिलाधिकारी सोरांव को फसलों की बबार्दी के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने खंड विकास अधिकारी कौड़िहार को निलंबित करने की भी मांग उठाई।

संजीव कुमार मिश्र ने कहा कि 29 दिनों से धरना चलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं और उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों की समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन जारी रहेगा।

गोवंश तस्करी के गिरोह का सरगना 50 हजार का इनामी रेहान कानपुर से गिरफ्तार

एसटीएफ ने ट्रांसपोर्ट नगर में घेराबंदी कर दबोचा, कौशाम्बी, बांदा, वाराणसी और इटावा में दर्ज हैं 13 मुकदमे

प्रयागराज, गोवंश तस्करी के संगठित गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने 50 हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त रेहान को कानपुर नगर से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त गोवंश तस्करी के गिरोह का सरगना है। उसके और गिरोह के सदस्यों के खिलाफ कौशाम्बी, बांदा, वाराणसी और इटावा के विभिन्न थानों में कुल 13 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।



एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में टीम फरार और इनामी अपराधियों के संबंध में सूचनाएं जुटा रही थी। इसी दौरान जानकारी मिली कि कौशाम्बी के कोखराज थाने में दर्ज गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित 50 हजार रुपये का इनामी रेहान कानपुर नगर के ट्रांसपोर्ट नगर में छिपकर रह रहा है। सूचना पर एसटीएफ की टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित कौशाम्बी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के चम्पापुर गांव निवासी रेहान पुत्र मुश्ताक है। वह गोवंश तस्करी करने वाले संगठित गिरोह का सरगना है। उसके खिलाफ विभिन्न जनपदों में गोवंश तस्करी, पशु क्रूरता, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत 13 मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ की विभिन्न टीमें लगातार सूचना संकलन कर रही थीं।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि सात मार्च 2024 को वह ट्रक कंटेनर में गोवंश लादकर फतेहपुर से वाराणसी और बिहार ले जा रहा था। रास्ते में कोखराज पुलिस ने वाहन की जांच के दौरान उसे पकड़ लिया था। वाहन से 26 गोवंश बरामद हुए थे। इस मामले में कोखराज थाने में गोवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में वह वांछित चल रहा था। अभियुक्त ने यह भी बताया कि उसके और गिरोह के अन्य सदस्यों के खिलाफ कौशाम्बी, बांदा, वाराणसी और इटावा में कुल 13 मुकदमे दर्ज हैं।

एसटीएफ के अनुसार, अभियुक्त के खिलाफ कोखराज थाने में मुकदमा संख्या 132/2026, धारा 2/3 उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। इसी मामले में उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था। अभियुक्त को कानपुर नगर के थाना सैनी क्षेत्र में छिपे होने की सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसे कौशाम्बी के कोखराज थाने में दाखिल कर दिया गया है। स्थानीय पुलिस की ओर से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक जय प्रकाश राय, उपनिरीक्षक गुलजार सिंह, मुख्य आरक्षी साजिद अली, प्रभंजन पांडेय, अजय सिंह यादव, अनुप राय और आरक्षी चालक रविकांत सिंह शामिल रहे।

न्यू समर्थ हॉस्पिटल की शानदार जीत, अमित श्रीवास्तव चमके



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर खेले गए एक बेहद रोमांचक क्रिकेट मुकाबले में न्यू समर्थ हॉस्पिटल ने रॉयल क्रिकेट क्लब को 2 विकेट से शिकस्त दी। मैच में शानदार गेंदबाजी और अंत में धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का मुजाहिरा करने वाले अमित श्रीवास्तव इस जीत के हीरो रहे।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल क्रिकेट क्लब की टीम कसी हुई गेंदबाजी के सामने खुलकर नहीं खेल सकी और 8 विकेट के नुकसान पर 116 रन ही बना पाई। टीम की ओर से आशुतोष ने सर्वाधिक 42 रनों की जुझारू पारी खेली। उनके अलावा डॉ. अर्जित त्रिवेदी ने 23 और मेराज सिद्दीकी ने 14 रनों का योगदान दिया। न्यू समर्थ हॉस्पिटल की तरफ से अमित श्रीवास्तव ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 6 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। अलोक यादव ने 16 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि डीके यादव, साजिद सिद्दीकी, सोनी और कमल को एक-एक सफलता हाथ लगी।

जवाब में 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू समर्थ हॉस्पिटल की टीम को भी कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा। रॉयल क्लब के गेंदबाज डॉ. अभिनीत (28 रन देकर 4 विकेट) और डॉ. अतुल (14 रन देकर 3 विकेट) ने घातक गेंदबाजी करते हुए मैच को रोमांचक मोड़ पर ला खड़ा किया। हालांकि, रजत चौधरी (45 रन) और धर्मेंद्र सिंह (34 रन) की उपयोगी पारियों ने टीम को लक्ष्य के करीब पहुँचाया।

मैच के अंतिम क्षणों में जब 8 विकेट गिर चुके थे, तब अमित श्रीवास्तव और डीके यादव ने क्रीज पर टिककर नाबाद साझेदारी की और टीम को 2 विकेट से रोमांचक जीत दिला दी।

गेंद से 3 विकेट चटकाने और अंत में मैच जिताऊ नाबाद पारी खेलने के लिए अमित श्रीवास्तव को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। इस मैच में रंजन भारती और रॉकी राज ने अंपायर की भूमिका निभाई, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी सुधांशु ने संभाली।

बीएचयू में शिक्षण पद्धतियों को सुदृढ़ करने और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास की आवश्यकता : कुलपति

वाराणसी, उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय, कमच्छा की पहल पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर बुधवार को ह्यभावी शिक्षक शिक्षकों के लिए इंटर्नशिप में गुणवत्ता संबंधी सरोकारह्ण विषयक संवाद का आयोजन किया गया।



इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने बीएचयू में शिक्षण पद्धतियों को सुदृढ़ करने और शिक्षकों के व्यावसायिक विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए शिक्षणशास्त्र (पेडागॉजी) में तीन क्रेडिट का पाठ्यक्रम, मेंटरिंग एवं मूल्यांकन से संबंधित पाठ्यक्रम, क्षमता संवर्धन कार्यक्रम, कक्षा प्रबंधन प्रशिक्षण तथा शिक्षण मॉड्यूल विकसित करने जैसे सुझाव दिए। कुलपति ने अन्य विषयों के शिक्षकों तक शिक्षा संकाय की विशेषज्ञता का विस्तार करने तथा विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में आगे ले जाने के लिए भावी कार्ययोजना तैयार करने में संकाय की भूमिका को भी रेखांकित किया।

कुलपति ने इस अवसर पर शिक्षकों के साथ संवाद भी किया। संवाद के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को समझने और साझा करने के लिए इंटर्नशिप को प्रोत्साहित करना, संस्थागत पहलों एवं संचार को संबंधित हितधारकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना, उच्च शिक्षा में अत्यधिक निगरानी एवं नियंत्रण की प्रवृत्ति से बचना, अच्छे कार्यों एवं योगदान को पहचान और प्रोत्साहन देना, वरिष्ठ एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा उदाहरण प्रस्तुत करना तथा अधिक सहयोगात्मक अकादमिक वातावरण के लिए अनावश्यक पदानुक्रम संबंधी जटिलताओं को कम करना शामिल रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा संकाय के प्रमुख एवं संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार सिंह ने की। प्रो. आलोक गार्डिया कार्यक्रम के संयोजक तथा डॉ. प्रतीक चौरसिया सह-संयोजक थे। इसमें वाराणसी जिले के चार संस्थानों–वसंत महिला महाविद्यालय, राजघाट; घनश्याम सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन; शेपा तथा आर्य महिला पीजी कॉलेज, वाराणसी–के लगभग 45 शिक्षक-प्रशिक्षकों एवं हितधारकों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने सहमति व्यक्त की कि पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप संबंधी अनुशंसाओं को सभी हितधारकों द्वारा गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए।

साथ ही, शिक्षक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने और समाज के हित में उसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी एवं वर्तमान शैक्षणिक रुझानों को शामिल करने पर भी जोर दिया गया।

बांके बिहारी मंदिर के पास बंद मकान में लगी भीषण आग

500 मीटर दूर से दिखा काला धुआं, स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने पाया काबू

मथुरा, कोतवाली वृंदावन क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के पास एक बंद पड़े मकान में बुधवार दोपहर अचानक आग लग गई। तंग गलियों में हुई इस घटना के कारण आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया और लोगों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग से उठ रहा काला धुआं करीब 500 मीटर दूर से ही साफ दिखाई दे रहा था।

घटना बांके बिहारी मंदिर के वीआईपी रास्ते के समीप स्थित गली में, अकोला वाली धर्मशाला के पास हुई। बुधवार की दोपहर को अचानक एक बंद पड़े मकान से तेज धुआं उठने लगा, जो देखते ही देखते विकराल आग में बदल गया। आशंका जताई जा रही है कि किसी आतिशबाजी (पटाखे) के वहां आकर पड़े थर्मोकोल पर गिरने के कारण यह आग लगी। बंद और खंडहर हो चुके मकान में आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी।

सूचना मिलते ही बांके बिहारी पुलिस चौकी पर तैनात एसआई शिव कुमार शर्मा और सिपाही अनिकेत तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से पानी के पाइप और अन्य साधनों के जरिए आग पर काबू पाने के कड़े प्रयास शुरू किए। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। घटनास्थल पर मौजूद लोगों और पुलिस ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी थी, लेकिन घनी बस्ती और तंग गलियों के बीच एक घंटे तक दमकल की कोई भी टीम मौके पर नहीं पहुंची।

गनीमत यह रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस दौरान बांके बिहारी मंदिर के पट बंद थे और श्रद्धालुओं की भीड़ समाप्त हो चुकी थी। यदि मंदिर खुलने का समय होता और भारी भीड़ होती, तो इन तंग गलियों से गुजरने के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी।

संपादकीय

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा– बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें।

इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना।

आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों–शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान–में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी।

वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है।

भारतीय अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की ऊंची उड़ान

महेन्द्र तिवारी



भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में 18 जुलाई का दिन एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा की दिशा को हमेशा के लिए बदल देगा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का स्वदेशी रूप से विकसित विक्रम-1 रॉकेट अपनी पहली कक्षीय उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं है बल्कि यह उस नए और आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष है जहाँ निजी क्षेत्र अब अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों को नापने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो चुका है। दशकों तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम पूर्ण रूप से सरकारी नियंत्रण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के कुशल मार्गदर्शन में पलता और बढ़ता रहा है। इसरो ने सीमित संसाधनों के बावजूद दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और मंगल ग्रह से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक तिरंगा फहराया है। लेकिन अब समय बदल रहा है और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्य हो गई है। इसी आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जो ऐतिहासिक निर्णय लिया था यह प्रक्षेपण उसी नीतिगत बदलाव का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष परिणाम है। जब हम स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके महत्वाकांक्षी रॉकेट विक्रम-1 की बात करते हैं तो हमें इसके पीछे के तकनीकी चमत्कार और वर्षों की अथक मेहनत को समझना होगा। इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रतीकात्मक संदेश है। विक्रम-1 कोई साधारण लॉन्च वाहन नहीं है बल्कि यह अत्याधुनिक तकनीकों का एक अद्भुत संगम है। इस रॉकेट की सबसे बड़ी विशेषता इसके निर्माण में थ्रीडी प्रिंटिंग तकनीक का व्यापक उपयोग है। इसके कई महत्वपूर्ण पुर्जे और विशेष रूप से इसका क्रायोजेनिक इंजन जिसे धवन नाम दिया गया है पूरी तरह से थ्रीडी प्रिंटेड है। पारंपरिक निर्माण विधियों की तुलना में थ्रीडी प्रिंटिंग से रॉकेट के पुर्जे बनाने में लगने वाला समय और लागत दोनों काफी कम हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त रॉकेट का बाहरी ढांचा कार्बन फाइबर कंपोजिट से बनाया गया है जो इसे बेहद हल्का लेकिन इस्पात से भी अधिक मजबूत बनाता है। एक हल्के ढांचे का सीधा अर्थ यह है कि रॉकेट अपने साथ अधिक पेलोड यानी अधिक वजन के उपग्रह ले जाने में सक्षम होगा। यह एक बहु चरण वाला रॉकेट है जिसे विशेष रूप से छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उप कक्षीय और कक्षीय उड़ानों के बीच एक बहुत बड़ा तकनीकी अंतर होता है जिसे समझना यहां बेहद प्रासंगिक है। नवंबर 2022 में स्काईरूट एयरोस्पेस ने ही अपना पहला रॉकेट विक्रम एस लॉन्च किया था जो एक उप कक्षीय उड़ान थी। उप कक्षीय उड़ान का अर्थ होता है कि रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा को तो छूता है लेकिन वह पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए आवश्यक गति प्राप्त नहीं कर पाता और गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस लौट आता है। इसके विपरीत अठारह जुलाई को होने वाला विक्रम-1 का प्रक्षेपण एक कक्षीय मिशन है। इसका मतलब है कि यह रॉकेट न केवल अंतरिक्ष में जाएगा बल्कि यह इतनी तेज गति प्राप्त करेगा कि यह पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हो सके और अपने साथ ले जाए गए उपग्रहों को सटीक रूप से उनकी निर्धारित जगह पर छोड़ सके। कक्षीय उड़ान तकनीकी रूप से बहुत अधिक जटिल चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरी होती है। इसमें रॉकेट के इंजनों को कई बार चालू और बंद करना पड़ता है और इसकी नेविगेशन प्रणाली को बिल्कुल अचूक होना पड़ता है। अगर स्काईरूट की टीम इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लेती है तो यह भारतीय निजी क्षेत्र की तकनीकी क्षमता का विश्व स्तर पर सबसे बड़ा प्रमाण होगा।

आर्थिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस प्रक्षेपण के मायने बहुत गहरे और दूरगामी हैं। आज पूरी दुनिया में संचार मौसम पूर्वानुमान कृषि निगरानी और नेविगेशन के लिए छोटे उपग्रहों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। पारंपरिक रूप से बड़े रॉकेटों के जरिए इन उपग्रहों को लॉन्च करने में बहुत समय लगता है क्योंकि सरकारी एजेंसियों के पास अपने स्वयं के बड़े मिशन होते हैं और छोटे उपग्रहों को उन बड़े मिशनों के साथ सह यात्री के रूप में भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों को अपने उपग्रह लॉन्च करने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। स्काईरूट जैसी कंपनियां इसी समस्या का समाधान लेकर आई हैं। विक्रम-1 जैसे रॉकेट ऑन डिमांड लॉन्च की सुविधा प्रदान करते हैं। इसका मतलब है कि जब भी किसी ग्राहक को अपना उपग्रह लॉन्च करना हो यह रॉकेट कुछ ही हफ्तों की तैयारी के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है। यह लचीलापन और कम लागत भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक कमर्शियल मार्केट में एक बहुत बड़ा प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करेगा। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है लेकिन विक्रम-1 की सफलता इस हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को सीधे चुनौती देने की नींव रखेगी।

इस निजीकरण और तकनीकी विकास का एक और महत्वपूर्ण पहलू रोजगार सृजन और प्रतिभा पलायन को रोकना है। भारत में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग डीप टेक और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन अतीत में उचित अवसर और निजी क्षेत्र में निवेश न होने के कारण हमारी कई बेहतरीन प्रतिभाएं विदेशों का रुख कर लेती थीं। स्काईरूट एयरोस्पेस जैसी स्वदेशी कंपनियों का उदय इन युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को अपने ही देश में विश्व स्तरीय परियोजनाओं पर काम करने का अवसर दे रहा है।

इससे न केवल देश में एक मजबूत अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार हो रहा है बल्कि सहायक उद्योगों को भी भारी बढ़ावा मिल रहा है। रॉकेट निर्माण के लिए आवश्यक कल पुर्जे सॉफ्टवेयर विकास परीक्षण सुविधाएं और ग्राउंड स्टेशन ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों में हजारों नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को सही मायनों में साकार कर रही है। सरकार द्वारा स्थापित नोडल एजेंसी इन स्पेस का समर्थन और इसरो द्वारा प्रदान की जा रही तकनीकी और बुनियादी ढांचागत सहायता यह दशार्ती है कि भारत में अब सार्वजनिक और निजी क्षेत्र एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि एक दूसरे के पूरक बनकर काम कर रहे हैं।

विक्रम-1 की उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे देश की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह उड़ान उन तमाम छोटे और मझोले स्टार्टअप्स के लिए एक प्रेरणा है जो नवाचार के क्षेत्र में कुछ नया करने का सपना देखते हैं। जब एक निजी भारतीय कंपनी अपने दम पर एक कक्षीय रॉकेट बनाकर उसे अंतरिक्ष में भेज सकती है तो यह साबित होता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही नीतिगत समर्थन के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आने वाले वर्षों में हम अंतरिक्ष पर्यटन क्षुद्रग्रह खनन और गहरे अंतरिक्ष मिशनों में भी भारतीय निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी देखेंगे। विक्रम-1 उस लंबी यात्रा का केवल पहला कदम है।

अठारह जुलाई को जब विक्रम-1 के इंजन आग उगलते हुए आसमान का सीना चीरेंगे तो वह केवल एक मशीन की उड़ान नहीं होगी बल्कि वह एक नए भारत के आत्मविश्वास की उड़ान होगी। एक ऐसा भारत जो अब केवल दूसरों के बनाए रास्तों पर चलने में विश्वास नहीं रखता बल्कि अंतरिक्ष के अनंत विस्तार में अपना खुद का रास्ता बनाने का साहस रखता है।

कहां चला गया पुलिस के हाथों में लहराने वाला डंडा

संजय सक्सेना



उत्तर प्रदेश की सड़कों पर वर्षों तक एक दृश्य बेहद सामान्य हुआ करता था, जो अब केवल पुरानी यादों या पुलिस थानों की धूल फांकती फाइलों में सिमट कर रह गया है। खाकी वर्दी पहने एक पुलिस कर्मी, जिसके हाथ में एक लंबी, मजबूत और पॉलिश की हुई बेंत की लाठी होती थी, जिसे स्थानीय भाषा में हम डंडा कहते हैं। वह डंडा केवल पुलिस की वर्दी का एक अनिवार्य अंग मात्र नहीं था, बल्कि वह उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का वह आधार स्तंभ था, जो बड़े से बड़े मनचलों और अराजक तत्वों को केवल अपनी मौजूदगी से ही अनुशासित कर देता था। एक समय था जब चौराहों पर ट्रैफिक नियंत्रित करते हुए या भीड़ भरे इलाकों में गश्त करते हुए पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा किसी भी विवाद को पल भर में शांत करने के लिए पर्याप्त होता था। उस डंडे के प्रति अपराधियों के मन में एक स्वाभाविक और गहरा खौफ था, जो उन्हें कानून की लक्ष्मण रेखा लाँघने से पहले सोचने पर मजबूर कर देता था। लोग कहते हैं कि वह डंडा केवल लकड़ी का टुकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के इकबाल और कानून के शासन का प्रतीक था। जब कोई उपद्रवी या अपराधी सड़क पर कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करता, तो पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा एक मूक चेतावनी की तरह काम करता था। उस दौर में पुलिस को किसी भी स्थिति को संभालने के लिए हथियारों के प्रयोग या बल की अधिक आवश्यकता नहीं पड़ती थी, क्योंकि वह डंडा एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में सक्षम था। पुलिस कर्मियों के लिए वह डंडा उनकी सुरक्षा कवच भी था और उनके काम का अभिन्न साथी भी।

लेकिन समय के साथ स्थितियां बदलने लगीं और पुलिस के हाथों से यह डंडा धीरे-धीरे गायब होने लगा। इस बदलाव के पीछे कई जटिल कारण हैं, जिसमें मानवाधिकार संगठनों की बढ़ती सक्रियता और न्यायपालिका की सख्त होती टिप्पणियां प्रमुख हैं। बीते कुछ दशकों में मानवाधिकारों के प्रति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ी है, जिसका परिणाम यह हुआ कि पुलिस के हर कदम की बारीकी से जांच होने लगी। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तर्क दिया कि पुलिस के हाथ में लाठी का होना अनियंत्रित बल के प्रयोग को बढ़ावा देता है, जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो सकता है। उनके अनुसार, सभ्य समाज में पुलिस को डंडे के बल पर नहीं, बल्कि कानून के तर्क और तकनीकी कौशल के आधार पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही, न्यायपालिका ने भी अपने विभिन्न निर्णयों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए और यह स्पष्ट किया कि बल का प्रयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में ही किया जाना चाहिए। पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार के शारीरिक बल के इस्तेमाल पर कोर्ट की निगरानी और मीडिया की पैनी नजर ने पुलिस कर्मियों को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया। इन परिस्थितियों ने उत्तर प्रदेश की पुलिस के भीतर एक तरह का डर पैदा कर दिया कि कहीं उनका कोई छोटा सा कदम, जो ड्यूटी के नाते आवश्यक था, उनके लिए कानूनी मुसीबत या निलंबन का कारण न बन जाए। धीरे-धीरे, पुलिस ने खुद को विवादों से बचाने के लिए अपने हाथ से वह डंडा छोड़ देना ही बेहतर समझा।

आज स्थिति यह है कि सड़क पर कानून-व्यवस्था संभालने वाले हमारे पुलिस कर्मी एक अजीब सी लाचारी के दौर से गुजर रहे हैं।

बिना डंडे के, वे उन उपद्रवियों और मनचलों के सामने निहत्थे से महसूस होते हैं, जो कानून का सम्मान करने के बजाय पुलिस के संयम को उनकी कमजोरी समझने लगे हैं। जब पुलिस कर्मी के हाथ में डंडा नहीं होता, तो अराजक तत्वों का मनोबल बढ़ता है क्योंकि उन्हें पता होता है कि सामने खड़ा पुलिस वाला कानूनी पचड़ों के डर से हाथ नहीं उठा सकता। यह लाचारी केवल पुलिस कर्मियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम जनता के लिए भी एक चिंता का विषय है। अक्सर देखा गया है कि छेड़खानी के मामलों में, छोटी-मोटी मारपीट या दंगों जैसी स्थितियों में पुलिस के हाथ में मौजूद वह डंडा ही था, जो फौरन शांति स्थापित कर देता था। अब उसके न होने से पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक तरीकों जैसे आंसू गैस के गोले, लाठीचार्ज के बड़े ऑपरेशन्स या अन्य बल प्रयोगों का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें समय भी अधिक लगता है और जनहानि का खतरा भी बढ़ जाता है। डंडे के जरिए जो काम एक पल में हो जाता था, आज उसी के लिए पुलिस को लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं और बल प्रयोग के आरोपों का सामना करना पड़ता है। पुलिस के हाथ से डंडा छिन जाने का मतलब केवल एक उपकरण का जाना नहीं है, बल्कि यह राज्य के इकबाल और सड़क पर पुलिस की उपस्थिति के प्रभाव में आई कमी का द्योतक है। खाकी और डंडे का जो समन्वय दशकों से चला आ रहा था, उसके टूटने से पुलिस के आत्मविश्वास पर भी असर पड़ा है। आज का पुलिस कर्मी इस दुविधा में जीता है कि वह कानून का पालन कैसे कराए, जबकि उसके पास उस डंडे का संरक्षण नहीं है, जो बिना किसी को नुकसान पहुँचाए ही अनुशासन कायम कर देता था।

भारत के सामान्य व्यापारियों के लिए जीएसटी : जीएसटी नंबर कैसे लें

सी. ए. डॉ. शंकर अंदानी

भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद देश के व्यापारिक क्षेत्र में एक समान अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था स्थापित हुई है। जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक व्यापार करने वाले दुकानदारों, छोटे व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, उत्पादकों, वितरकों और सेवा प्रदाताओं के लिए जीएसटी महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन आज भी अनेक छोटे व्यापारियों को यह जानकारी नहीं है कि जीएसटी नंबर कब लेना अनिवार्य है, कितनी वार्षिक बिक्री पर पंजीकरण जरूरी होता है और इसके लिए कौन-कौन से दस्तावेज चाहिए।

इस लेख में पूरे भारत के व्यापारियों के लिए जीएसटी के प्रमुख नियमों, पंजीकरण प्रक्रिया और सरकारी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है।

1. जीएसटी नंबर क्या है?

जीएसटी के अंतर्गत पंजीकरण कराने पर व्यापारी को 15 अंकों का जीएसटी पहचान नंबर (वस्तु एवं सेवा कर पहचान संख्या) दिया जाता है। यह व्यापारी की आधिकारिक कर पहचान है। जीएसटी पंजीकरण के बाद व्यापारी नियमानुसार ग्राहकों से जीएसटी वसूल सकता है, पात्र खरीद पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (खरीद पर चुकाए गए कर की छूट) प्राप्त कर सकता है और सरकार को निर्धारित विवरणी जमा कर सकता है।

हर व्यापारी के लिए जीएसटी नंबर लेना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए सरकार ने वार्षिक कुल कारोबार की सीमा निर्धारित की है।

2. पूरे भारत में जीएसटी पंजीकरण की वार्षिक सीमा

जीएसटी पंजीकरण की सीमा व्यवसाय के प्रकार और राज्य के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

वस्तुओं का व्यापार (माल):

अधिकांश राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में केवल वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले पात्र व्यापारियों के लिए 40 लाख रुपये वार्षिक कुल कारोबार की सीमा है।

कुछ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह सीमा 20 लाख रुपये है।

सेवा व्यवसाय:सामान्यतः 20 लाख रुपये वार्षिक कुल कारोबार होने पर जीएसटी पंजीकरण आवश्यक होता है।

मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा जैसे विशेष राज्यों में सामान्य सीमा 10 लाख रुपये है।

वस्तु और सेवा दोनों का व्यापार (मिश्रित व्यवसाय):

यदि व्यापारी वस्तुओं के साथ करयोग्य सेवाएं भी प्रदान करता है,

क्या शिक्षा सुधार की नई आवाज बनेंगे सोनम वांगचुक?

महेन्द्र तिवारी

सोनम वांगचुक का नाम भारत में केवल एक इंजीनियर, नवोन्मेषक या पर्यावरण कार्यकर्ता के रूप में नहीं जाना जाता, बल्कि ऐसे नागरिक के रूप में भी जाना जाता है जिसने शिक्षा, समाज और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है। वर्ष 2018 में उन्हें रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लद्दाख में शिक्षा सुधार के लिए उनके प्रयासों ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई और फिल्म 3 इडियट्स का लोकप्रिय पात्र फुंसुख वांगडू भी काफी हद तक उनके व्यक्तित्व से प्रेरित माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने लद्दाख के पर्यावरण, स्थानीय संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े कई शांतिपूर्ण आंदोलन किए। अब वे नई दिल्ली के जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना रहे हैं। 28 जून 2026 से आरंभ हुआ उनका अनशन अब 21वें दिन में पहुंच चुका है। लगातार केवल नमक और पानी के सहारे चल रहे इस अनशन के कारण उनका वजन लगभग 9 किलोग्राम कम हो चुका है और चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसके बावजूद उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीर संवाद नहीं होता, तब तक वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

सोनम वांगचुक का यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का परिणाम नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे उन लाखों युवाओं की चिंता से जोड़कर देखा जा रहा है जो वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और भर्ती प्रक्रियाओं पर उठते प्रश्नों ने विद्यार्थियों के बीच असुरक्षा और निराशा का वातावरण बनाया है। वांगचुक का कहना है कि यदि शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली पर युवाओं का भरोसा कमजोर होगा तो देश का भविष्य भी प्रभावित होगा। उनका आग्रह है कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी हो, जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और ऐसी संस्थागत व्यवस्था बनाई जाए जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उनका आंदोलन इन्हीं मुद्दों पर व्यापक जनचर्चा की मांग करता है।



अनशन के साथ-साथ उनका स्वास्थ्य लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। डॉक्टरों की टीम नियमित रूप से उनकी जांच कर रही है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक भोजन न लेने से शरीर की ऊर्जा तेजी से घटती है और कई अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसी चिंता के कारण दिल्ली हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें सरकार से उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा तथा नियमित चिकित्सकीय निगरानी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायालय की यह पहल इस तथ्य को रेखांकित करती है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण किसी नागरिक के जीवन की रक्षा करना भी है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में भूख हड़ताल का इतिहास नया नहीं है। महात्मा गांधी ने इसे नैतिक शक्ति और आत्मबल का माध्यम बनाया था। स्वतंत्र भारत में भी अनेक सामाजिक आंदोलनों ने इस पद्धति का उपयोग किया है। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से लेकर विभिन्न क्षेत्रीय आंदोलनों तक भूख हड़ताल ने समय समय पर सरकारों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि प्रत्येक आंदोलन की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी आंदोलन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि अतीत में ऐसे आंदोलनों के क्या परिणाम रहे। प्रत्येक दौर की चुनौतियां भिन्न होती हैं और लोकतंत्र में नए प्रश्नों के लिए नए समाधान खोजने पड़ते हैं।

सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार से संवाद की अपील की है। कुछ नेताओं ने उनसे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अनशन समाप्त करने का आग्रह भी किया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जंतर मंतर पहुंचकर उनसे मिले हैं। दूसरी ओर लेखकों, कलाकारों, फिल्मकारों और अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करते हुए सरकार और वांगचुक दोनों से संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए यह उचित नहीं होगा कि एक सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता रहे और समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल न हो।

इस पूरे घटनाक्रम में मीडिया की भूमिका भी चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि मुख्यधारा के मीडिया ने इस आंदोलन को अपेक्षित महत्व नहीं दिया, जबकि अन्य का कहना है कि समाचार पत्रों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर इसकी पर्याप्त चर्चा हुई है। वस्तुतः लोकतंत्र में मीडिया की जिम्मेदारी केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं बल्कि समाज के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर संतुलित विमर्श प्रस्तुत करना भी है। शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और युवाओं के भविष्य जैसे विषय किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ऐसे विषयों पर तथ्यपरक और संतुलित चर्चा ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान होती है।

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। प्रत्येक वर्ष करोड़ों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। इनमें से अनेक विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। यदि परीक्षा प्रणाली पर लगातार प्रश्न उठते हैं तो इसका सबसे अधिक प्रभाव इन्हीं युवाओं के मनोबल पर पड़ता है। परीक्षा रद्द होने, पेपर लीक होने या भर्ती में देरी जैसी घटनाएं केवल प्रशासनिक समस्याएं नहीं होतीं बल्कि वे युवाओं के विश्वास को भी प्रभावित करती हैं। इसीलिए अनेक विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और संस्थागत जवाबदेही को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

19 साल पुरानी वो आतंकी साजिश: रामपुर CRPF कैंप हमले की पूरी कहानी, जो फिर से चर्चा में है

नए साल की पूर्व संध्या पर दहला था रामपुर हमले की खौफनाक रात से लेकर आरोपियों की गिरफ्तारी और हाई कोर्ट तक पहुंचे मुकदमे की पूरी टाइमलाइन

रामपुर।
CRPF आतंकी हमले के आरोप से बरी हुए मोहम्मद शरीफ उर्फ सुहेल की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड ने एक बार फिर सीआरपीएफ आतंकी हमले की याद लोगों के जेहन में ताजा कर दी है। आतंकी हमला आज से 19 साल पहले हुआ था।

इस हमले की गूंज लखनऊ से लेकर दिल्ली तक सुनाई दी थी। तब प्रदेश में बसपा की सरकार थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती और केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल भी रामपुर आए थे।

इन दोनों ने ही आला अधिकारियों को आतंकियों को शीघ्र गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी सजा दिलाने के निर्देश दिए थे। इस मामले में प्रदेश सरकार ने एटीएस को भी लगाया था। तब पुलिस और एटीएस ने पूरी सक्रियता दिखाई और आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज हुआ था केस



आतंकी हमले का मुकदमा सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज किया गया था। तत्कालीन सिविल लाइंस कोतवाल निरीक्षक सत्य प्रकाश शर्मा ने इसकी विवेचना की थी। बाद में मुकदमे की जांच एटीएस को सौंप दी गई थी।

तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक एटीएस ओपी त्रिपाठी ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर आतंकी हमले के मामले में अभियोजन ने हमलावरों को सजा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की। हर उस शख्स की गवाही कराई, जिससे घटना करने वालों को सजा के अंजाम तक पहुंचाया जा सके।

मुकदमे में 55 लोगों की गवाही हुई

मुकदमे की सुनवाई में 55 की गवाही हुई, जिसमें देशद्रोह के मुकदमे में 38 गवाह थे, जबकि फहीम के खिलाफ अन्य धाराओं में चले मुकदमे में 17 की गवाही हुई। खास बात यह रही कि कोर्ट में सिपाही से लेकर राजदूत तक गवाही देने आए।

फहीम के पासपोर्ट मामले में तो अफगानिस्तान से भारतीय राजदूत की पेशी हुई थी। गवाही के दौरान मनप्रीत बोहरा अफगानिस्तान में राजदूत थे। स्थानीय अदालत में मुकदमे की सरकार की ओर से पैरवी करने वाले पूर्व डीजीसी अमित सक्सेना ने बताया कि छह लोगों को न्यायालय ने सजा सुनाई थी।

सेशल कोर्ट ने दी थी फांसी की सजा

इनमें मोहम्मद शरीफ समेत चार को फांसी की सजा हुई थी, जबकि एक को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। बाद में हाई कोर्ट ने सजा को रद कर दिया था। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। अपील के लिए एटीएस के अधिकारी उनके पास पत्रावली की जानकारी लेने आए थे।

आतंकी हमले में बलिदान हुए थे ये जवान

सिपाही आनंद कुमार
हवलदार ऋषिकेश राय
हवलदार अफजल अहमद
हवलदार रामजी सरन मिश्रा
सिपाही मनवीर सिंह
सिपाही देवेंद्र कुमार
सिपाही विकास कुमार

सीआरपीएफ हमले में न्यायालय से जुड़े अहम तथ्य

पहली नवंबर 2019 को रामपुर के सत्र न्यायालय ने छह आरोपितों को दोषी माना।

दो आरोपित गुलाब खां और मोहम्मद कौसर को साक्ष्य के अभाव में किया था बरी।

दो नवंबर को शहजाद, शरीफ व सबाउद्दीन को फांसी, जंग बहादुर को उम्रकैद और फहीम अंसारी को 10 साल की सजा सुनाई गई।

सत्र न्यायालय के फैसले के विरुद्ध 2019 में ही दोषी इलाहाबाद हाई कोर्ट पहुंचे।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कमजोर जांच और साक्ष्यों की कमी का हवाला देते हुए 29 अक्टूबर, 2025 को बरी किया।

शस्त्र अधिनियम में 10 साल कैद की सजा और एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

गोरखपुर : माड़ापार के अखाड़े में दिखा कुश्ती का नया अंदाज, 120 साल पुरानी परंपरा हुई जीवंत



गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर के चौरीचौरा क्षेत्र के माड़ापार गांव में 120 वर्ष पुरानी कुश्ती परंपरा एक नए स्वरूप में नजर आई। हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदेश स्तरीय इनामी दंगल में पहली बार पारंपरिक मिट्टी के अखाड़े पर ओलंपिक शैली के नियमों के अनुरूप पहलवानों के बीच मुकाबले कराए गए। इस दंगल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे पहलवानों ने अपनी ताकत, तकनीक और दांव-पेच का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों के दौरान दर्शकों के उत्साह से अखाड़ा गूंजता रहा। आयोजकों ने इसे प्रदेश में अपनी तरह का पहला प्रयोग बताया।

कुश्ती संघ कुशीनगर के अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह उर्फ दीपू सिंह के संयोजन में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद रमापति राम त्रिपाठी की उपस्थिति में ग्रामीण खेल परंपराओं के संरक्षण और नई पीढ़ी को कुश्ती से जोड़ने का संदेश प्रमुखता से सामने आया। लगभग 120 वर्षों से माड़ापार में आयोजित हो रहा यह दंगल क्षेत्र की खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

बदलते दौर में भी इस परंपरा को बनाए रखने के लिए स्थानीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों और ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में 50 से 61 किलोग्राम, 62 से 74 किलोग्राम, 75 से 86 किलोग्राम तथा 87 से 125 किलोग्राम के चार भार वर्गों में मुकाबले हुए। प्रत्येक भार वर्ग के विजेता के लिए 20 हजार रुपये, उपविजेता के लिए 11 हजार रुपये तथा तीसरे स्थान के दो पहलवानों के लिए पांच-पांच हजार रुपये के नकद पुरस्कार निर्धारित किए गए थे।

राष्ट्रवाद के वैचारिक दर्शन के कमल पुष्प थे पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी : गणेश केसरवानी

प्रयागराज।
पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी राष्ट्रवाद के वैचारिक दर्शन के कमल पुष्प थे। उनके विचार, सिद्धांत और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव समाज को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने प्रयागराज को नई पहचान देने के साथ शहर के विकास की मजबूत नींव रखी। यह बातें महापौर गणेश केसरवानी ने कहीं। वह मंगलवार को बैरहना स्थित परिणय गेस्ट हाउस में पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी की 93वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जन्मदिन आयोजन समिति की ओर से पूर्व पार्षद शिवेंद्र मिश्रा के



संयोजन में आयोजित समारोह में अतिथियों और उपस्थित लोगों ने पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि संविधान के मर्मज्ञ, संवेदनशील व्यक्तित्व और सहृदय कवि भी थे। उनके लिए संविधान की मयार्दा और जनता की सेवा सर्वोपरि थी। उन्होंने प्रयागराज में विकास की धारा को गति देने के साथ शहर के गौरव को आगे बढ़ाया। तीन बार विधानसभा अध्यक्ष के रूप में दायित्व निभाने के साथ पश्चिम बंगाल, मेघालय, बिहार, त्रिपुरा और मिजोरम के राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवाएं देकर प्रयागराज का गौरव बढ़ाया। उनके विचारों में राष्ट्रवाद की भावना समाहित थी। महापौर ने कहा कि पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी ने प्रयागराज को नई पहचान दी। उनकी सेवाओं और योगदान को यहां की जनता कभी नहीं भूलेगी। वह प्रयागराज की फिजाओं में सदैव जीवित रहेंगे।

टिकट हर किसी को नहीं मिलता, जबकि काम हर कोई करता है - डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने मंगलवार को वाराणसी के महमूरगंज स्थित अपने कार्यालय पर विधानसभा चुनाव को लेकर पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि चुनाव में टिकट हर किसी को नहीं मिलता है। पार्टी का काम हर कोई करता है। भाजपा में टिकट का निर्णय संगठन का होता है और काम करना देवतुल्य



कार्यकर्ताओं का कार्य है और टिकट देने का निर्णय करना संगठन का कार्य है। जिसे टिकट मिलता है, वह भी कार्य करता है और जिसे नहीं मिलता है, वह भी दोगुने मन से काम करता है।

राज्य मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने विधानसभा चुनाव के टिकट के लिये दावेदारों की भाजपा की पहली सूची नई दिल्ली भेजे जाने पर आगे कहा कि भाजपा संगठन दुनिया की सबसे अधिक कार्यकताओं की पार्टी है। यहां हर किसी को टिकट नहीं मिलता। लेकिन कार्य हर कोई करता है। 2027 में ऐतिहासिक चुनाव होने जा रहा है। जिस प्रदेश को सपा, बसपा के लोगों ने बंजर बना दिया था। उस उत्तर प्रदेश को योगी सरकार ने उत्तम प्रदेश बना दिया है। पहले गुंडे और माफिया का राज था, अब उत्तर प्रदेश में पुलिस का राज है। रात में हमारी बहन बेटियां सड़क पर निकल सकती हैं। यह योगी सरकार में ही संभव हुआ है। हम निश्चित ही अगले साल होने वाले चुनाव में एक बार फिर सरकार बनाएंगे।

विवाद के बाद युवक को कुचलकर भाग निकला ट्रैक्टर चालक, मुकदमा दर्ज

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सोरांव थाना क्षेत्र के सोमवार रात विवाद के बाद एक युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत का मामला प्रकाश में आया है। मंगलवार को घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि परिवार के लोगों का आरोप है कि विवाद के बाद कुचलकर ट्रैक्टर चालक फरार हो गया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि सोरांव थाना क्षेत्र के सराय लिली बरचनपुर गांव निवासी रोहित यादव(27) पुत्र अमर सिंह सोमवार की शाम घर से अशोक नगर स्थित भट्ठे पर किसी से काम के सिलसिले में गया। जहां ट्रैक्टर चालक पवन से उसका विवाद हो गया और उसने रोहित को कुचल दिया। घटना की सूचना पर परिवार के लोग पहुंचे तो भट्ठा मालिक पप्पू पांडेय और ट्रैक्टर चालक पवन वहां भाग से चुके थे। परिवार के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और मौके पर पहुंची थाना पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

घटना के संबंध में मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर से नाराज होकर निकलीं जौनपुर की दो किशोरियां कानपुर सेंट्रल पर मिलीं

कानपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को जीआरपी ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत घर से नाराज होकर निकलीं दो नाबालिग किशोरियों को सकुशल बरामद कर परिजनों से मिलवा दिया। दोनों किशोरियां जौनपुर से कानपुर पहुंची थीं। स्टेशन पर नियमित चेकिंग के दौरान पुलिस टीम की नजर उन पर पड़ी।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह ने बताया कि आज प्लेटफार्म, सकुर्लेटिंग एरिया, टिकट घर और यात्री प्रतीक्षालय में चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म पर करीब 15 और 16 वर्ष की दो किशोरियां बैठी मिलीं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे जौनपुर जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के रेहारी गांव की रहने वाली हैं। परिजनों की डांट से नाराज होकर दोनों बिना बताए घर से निकल आई थीं और कानपुर पहुंच गई थीं।

उन्होंने बताया कि महिला हेड कांस्टेबल विपिन यादव की मौजूदगी में दोनों किशोरियों को महिला हेल्प डेस्क पर सुरक्षित बैठाया गया। इसके बाद उचित माध्यम से उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों किशोरियों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। किशोरियों के सकुशल मिलने पर परिजनों ने जीआरपी की तत्परता की सराहना की।

मीरजापुर : बाइक सिखाने का झांसा देकर 11 वर्षीय बालक को ले जाने का आरोप

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के विंध्याचल थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में सोमवार शाम चाय की दुकान से 11 वर्षीय बालक को बाइक सिखाने का झांसा देकर ले जाने का मामला सामने आया है। परिजन ने कामापुर कला निवासी पिंटू हरिजन पर बालक को अगवा करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है।

सेमरी निवासी केशव बिंद का पुत्र प्रिंस सोमवार शाम करीब चार बजे महाशक्ति इंटर कॉलेज के पास मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग स्थित अपनी चाय की दुकान पर था। परिजनों के मुताबिक, आरोपित युवक पिछले पांच दिनों से दुकान पर चाय पीने आ रहा था।

इस दौरान उसने परिवार से जान-पहचान बढ़ा ली थी। आरोप है कि वह बालक के पिता के सामने ही उसे बाइक चलाना सिखाने के बहाने अपने साथ ले गया।

इसके बाद प्रिंस वापस नहीं लौटा। परिजन ने बालक की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए पुलिस को सूचना दी। उन्होंने आशंका जताई कि बालक को ले जाने के पीछे रुपये वसूलने की मंशा हो सकती है।

युवक ने ट्यूबवेल की अटारी पर फांसी लगा की आत्महत्या

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौदहा क्षेत्र के इचौली गांव में मंगलवार को आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने रिश्तेदार के ट्यूबवेल की अटारी में रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पत्नी व चार बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसएनवीए ट्रैवलटेक लिमिटेड (ट्रैवोमिंट) ने सेबी के पास यूडीआरएचपी-I दाखिल किया

नोएडा। एसएनवीए ट्रैवलटेक लिमिटेड ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस-क (यूडीआरएचपी-क) दाखिल किया है। कंपनी अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवा सहायता माध्यमों के जरिए यात्रा बुकिंग से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसके तहत एक रुपये अंकित मूल्य के अधिकतम 127,525,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की जाएगी। प्रमोटर और शेयर बेचने वाले शेयरधारक आलोक कुमार सिंह और विवेक कुमार सिंह अधिकतम 63,762,500 इक्विटी शेयर बेचने का प्रस्ताव रखते हैं।

कंपनी ने 29 मार्च, 2026 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास गोपनीय तरीके से अपने ड्राफ्ट दस्तावेज दाखिल किए थे। नियामक से इसे 6 अगस्त, 2026 को मंजूरी मिली। एसएनवीए ट्रैवलटेक एक टेक्नोलॉजी आधारित और एसेट-लाइट ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी (ओटीए) है, जो अपनी 'ट्रैवोमिंट' वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से दुनियाभर में यात्रा बुकिंग की सुविधाएं देती है। ग्राहक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए फ्लाइट, होटल और एयरपोर्ट ट्रांसफर, ट्रैवल इंश्योरेंस, कार रेंटल तथा विशेष हॉलिडे पैकेज जैसी संबंधित सेवाओं को खोजने, उनकी तुलना करने और बुकिंग करने की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।कंपनी हाइब्रिड मॉडल पर काम करती है, जिसमें ऑनलाइन बुकिंग के साथ भारत में मौजूद बहुभाषी टीमों की सहायता भी शामिल है। ये टीमें फोन, ईमेल और डिजिटल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों को सहायता उपलब्ध कराती हैं। खासतौर पर ऐसे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को व्यक्तिगत और मानवीय सहायता प्रदान की जाती है, जिन्हें सीमा पार यात्रा के दौरान विशेष सहयोग की जरूरत होती है।

2017 में स्थापित इस कंपनी ने शुरूआत में हवाई टिकट बुकिंग पर ध्यान केंद्रित किया था और धीरे-धीरे अपनी सेवाओं का विस्तार किया।

कारोबार में वृद्धि और नए भौगोलिक बाजारों में विस्तार के लिए कंपनी ने आंतरिक पुनर्गठन किया और चार सब्सिडियरी कंपनियों का अधिग्रहण किया। इनमें प्रमोटरों से अधिग्रहित दुबई की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी और अमेरिका, ब्रिटेन तथा सिंगापुर में स्थित तीन स्टेप-डाउन सब्सिडियरी शामिल हैं। इन कंपनियों ने कारोबारी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नए ग्राहक वर्गों तक पहुंच बनाने और सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर करने में मदद की है। 31 अगस्त, 2026 तक कंपनी 50 से अधिक देशों में अंतिम ग्राहकों को सेवाएं दे रही थी।

कैंसर की पहचान से खाद्य सुरक्षा तक कारगर साबित हो रहा रमन प्रभाव : प्रो. राजेश कुमार वत्स

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी से दूध में मिलावट और मस्तिष्क के ट्यूमर की पहचान में मिल रही सफलता

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रिफ्रेशर कोर्स में चार विशेषज्ञों ने दिए व्याख्यान

प्रयागराज।
सर सीवी रमन की ऐतिहासिक खोज रमन प्रभाव आज आधुनिक विज्ञान में कैंसर अनुसंधान, खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान, औषधियों की गुणवत्ता जांच और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस तकनीक से दूध में मिलावट की पहचान के साथ मस्तिष्क के ट्यूमर और सामान्य ऊतकों के बीच अंतर करना भी संभव हो रहा है। यह जानकारी होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई), मुंबई के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. राजेश कुमार वत्स ने दी। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग और यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में व्याख्यान दे रहे थे।

प्रो. वत्स ने 'वन इन ए मिलियन : द वीक बट माइटी रमन इफेक्ट' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि लगभग दस लाख प्रकाश कणों में से एक कण में होने वाला सूक्ष्म ऊर्जा परिवर्तन भी पदार्थों की आणविक संरचना और रासायनिक पहचान की महत्वपूर्ण जानकारी दे सकता है।

वर्ष 1928 में सीवी रमन और उनके सहयोगी केएस कृष्णन ने इस प्रभाव की खोज की थी। इसी खोज के लिए रमन को वर्ष 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला।

उन्होंने बताया कि रमन ने नोबेल पुरस्कार मिलने से पहले प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में लगभग 79 शोधपत्र प्रकाशित किए थे। इनमें 12 से 15 शोधपत्र रमन प्रभाव से संबंधित थे। उन्होंने वर्ष 1934 में भारतीय विज्ञान अकादमी की स्थापना कर देश में वैज्ञानिक अनुसंधान और भारतीय शोध पत्रिकाओं को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रो. वत्स ने बताया कि रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग खाद्य सुरक्षा और चिकित्सा अनुसंधान में तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 के एक अध्ययन में इस तकनीक और मशीन लर्निंग की मदद से दूध में मेलामाइन, यूरिया और अमोनियम सल्फेट जैसी मिलावट की पहचान में लगभग 96 प्रतिशत सटीकता मिली।

देवरिया : वन दरोगा पर लगे आरोपों की जांच के लिए डीएफओ ने नामित किया अधिकारी



देवरिया।
उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया की सलेमपुर रेंज में तैनात वन दरोगा शैलेंद्र कुमार के खिलाफ मिली शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी (डीएफओ) कसराला राजू ने एसडीओ को जांच अधिकारी नामित किया है।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी ने मंगलवार को बताया कि सलेमपुर निवासी ओमप्रकाश गुप्ता ने व्हाट्सएप के माध्यम से वन दरोगा शैलेंद्र कुमार के खिलाफ शिकायत की है। शिकायत में वन दरोगा पर अवैध रूप से पेड़ों की कटाई, आरा मशीनों (सॉ मिल) से कथित अवैध लेनदेन तथा काश्तकारों और ठेकेदारों से धन वसूली समेत कई आरोप लगाए गए हैं।

डीएफओ ने बताया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए एसडीओ देवरिया आलोक कुमार को नामित कर दिया गया है।

अमेठी : बालिका से जबरन दुष्कर्म का प्रयास और परिजनों पर जानलेवा हमला

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के थाना इन्हौना क्षेत्र अंतर्गत गांव रामनगर कालोनी के मजरे भीखीपुर गांव में सोमवार की शाम को शौच के लिये निकली बालिका के साथ मनबढ़ शोहदों द्वारा जबरन दुष्कर्म का प्रयास किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों ने दौड़ाकर जब आरोपितों को पकड़ लिया तो उनके सहयोगियों ने पीड़िता के परिजनों से मारपीट कर लहुलुहान कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन मामला दो सम्प्रदायों के बीच होने के कारण गांव में तनाव कायम हो



गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इंहौना थाना क्षेत्र के गांव रामनगर कालोनी मजरे भीखीपुर में एक बालिका के साथ गैर सम्प्रदाय के मनबढ़ शोहदे जबरन दुष्कर्म का प्रयास करने की खातिर उसको खींच ले गये। बालिका की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों समेत परिजन दौड़ पड़े और दो युवकों को पकड़ लिया। इसकी जानकारी मिलते ही आरोपितों के सहयोगी आक्रोशित हो उठे और पीड़ित परिवार पर हमलवार कर दिया। जिसमें पीड़िता के चेहरे और पीठ में भी चोट आ गई। पीड़ित परिवार द्वारा पूरे घटनाक्रम से स्थानीय पुलिस को अवगत कराया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

पुलिस ने पीड़िता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर भेजा और चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। इस घटना के दूसरे दिन मंगलवार को गांव समेत आसपास के गांवों में जानकारी मिलने पर लोगों में तनाव व्याप्त हो गया।

इस मामले की जानकारी मिलते ही प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह, ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह, सिंहपुर के ब्लाक प्रमुख अंकित पासी, धर्मेश मिश्रा समेत अन्य तमाम लोगों ने पीड़िता के घर पहुंचे और हरसंभव मदद करने का भरोसा दिलाया है।

राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा)के समर्थकों का यह कृत्य अक्षम्य नहीं है। बीते कई महीनों से जो ताण्डव मचाया जा रहा है वह जग जाहिर है लेकिन तिलोई विधानसभा क्षेत्र में गुण्डई को पनपने नहीं दी जाएगी। हर बहन बेटी की सुरक्षा की हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। अगर किसी भी व्यक्ति को कहीं पर कोई समस्या है तो वह हमें अवगत कराये, हम उसके कंधे से कंधा मिलाकर परछाई की भांति खड़े रहेंगे।

जौनपुर में भगवान चित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा बुधवार को, सर्वसमाज से शामिल होने की अपील

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव के अवसर पर बुधवार 11 नवंबर को जौनपुर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति की ओर से आयोजित शोभायात्रा दोपहर तीन बजे बारीनाथ मठ स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर, उर्दू बाजार से प्रारंभ होकर रूहट्टा स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर तक पहुंचेगी। आयोजकों ने सर्वसमाज के लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की है।
महासमिति के अनुसार शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, भव्य सजावट और बैंड-बाजे शामिल रहेंगे। यात्रा मार्ग पर सैकड़ों तोरण द्वार बनाए जाएंगे। कोतवाली चौराहे पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत, अभिनंदन और पुष्पवर्षा की जाएगी।
आयोजन में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, वाराणसी कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर, विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशू, विधायक जगदीश राय, अमेठी के जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी, नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। 12 कायस्थ संगठनों के साथ विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रहेगी।
यह जानकारी मंगलवार को महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष सरस चंद श्रीवास्तव, संस्थापक अध्यक्ष चंद्रमोहन श्रीवास्तव और मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने दी। शोभायात्रा संयोजक दिनेश चंद श्रीवास्तव और शशि श्रीवास्तव ने भी लोगों से आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

फतेहपुर जनपद की 200वीं वर्षगांठ पर 200 दीपों से जगमगाया बावनी इमली शहीद स्मारक

फतेहपुर।
उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद की 200वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को खजुहा स्थित ऐतिहासिक शहीद स्मारक बावनी इमली में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 52 बलिदानियों की शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वीर भूमि को नमन करते हुए युवाओं ने 200 दीप जलाकर जिले का स्थापना दिवस मनाया।
इस दौरान जिले के विकास में सहयोग करने और जिले की ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक धरोहरों को संजोने का संकल्प दोहराया गया।
श्री बालाजी सेवा न्यास के अध्यक्ष लक्ष्मीचंद्र मोना ओमर ने कहा कि 200 वर्षों में जिले ने बहुत कुछ देखा है। आज घर-घर नवज्योति जलाकर जिले का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है, यही उत्साह बना रहना चाहिए। युवा विकास समिति के प्रवक्ता आलोक गौड़ ने कहा कि रील्स और रियल दोनों में फतेहपुर बदल रहा है। विकसित और समृद्ध फतेहपुर बनाने में सभी को सहयोग करना होगा।
इस मौके पर अनूप अग्रवाल, राजीव मिश्रा, विजयनारायण, रजनीकांत अवस्थी, रिंकू तिवारी, लोकमणि मिश्रा, आदर्श चौहान, शिवशंकर सिंह परिहार, दीपक सिंह चौहान, राघव ओमर, दर्शील, अवधेश मोदी, ऋतिक ओमर, मनोज सहित कई युवा मौजूद रहे।

रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर हमले के आरोपित रहे मोहम्मद शरीफ की गोली मारकर हत्या

रामपुर।
उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में वर्ष 2007-08 के दौरान सीआरपीएफ कैंप हमले के आरोपित रहे मोहम्मद शरीफ की मंगलवार की देर शाम को गोली मारकर हत्या कर दी गई।

युवाओं-किसानों को सीएम योगी की सौगात, बोले- 2017 से पहले नियुक्ति बोर्ड के अधिकारी बंधक बने रहते थे

लखनऊ
लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा राजस्व विभाग के लिए चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। साथ ही मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 4,300 लाभार्थी परिवारों को 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि का वितरित की।
सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को युवाओं और किसानों को बड़ी सौगात दी। लखनऊ के गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा राजस्व विभाग के लिए चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया।
साथ ही अन्नदाताओं की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 4,300 लाभार्थी परिवारों को 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि का वितरण भी किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राजस्व राज्य मंत्री सुरेंद्र दिलेर उपस्थित रहे।



सीएम ने मुन्ना भाई एमबीबीएस फिल्म का जिक्र कर ली चुटकी
इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले नियुक्ति बोर्ड के अधिकारी बंधक बने थे। उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस फिल्म का जिक्र करते हुए सरकार पर तंज कसा। कहा कि 2017 से पहले परीक्षा देता था कोई, नियुक्ति पत्र ले जाता था कोई और। जितने अधिकारियों, कर्मचारियों की जरूरत थी, उतने लोग थे ही नहीं। सीएम ने कहा कि 2017 में आने के बाद जब हमने मीटिंग ली तो पुलिस में 1.5 लाख पद खाली थे। पहले की सरकार ने पीएसी की 34 कंपनियां समाप्त कर दी थी। अयोध्या दिवाली का जिक्र करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में धूमधाम से दिवाली मनाई गई। कुछ लोगों ने कहा कि प्रदूषण होगा। हमने कहा कि प्रदूषण होगा तो ठीक भी हो जाएगा। हमने कोई रोक नहीं लगाई। सबने खूब पटाखे जलाए। हमने भी अयोध्या में पटाखे जलाए।
'गिनती न आती हो तो शिवपाल यादव को साथ ले लो'
उन्होंने कहा कि जैसे घड़ी की सेकंड वाली सुई तेजी से घूमती है, उसी तेजी से हमने नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं। एक लाख से ज्यादा राजस्व विभाग में नियुक्तियां दीं। अभी लेखपाल की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि हमने कहा था कि हम देंगे आप लोग गिनिए। गिनती न आती हो तो शिवपाल यादव को साथ ले लो, उन्हें गिनती का अच्छा अनुभव है। वो हमेशा गिनती ही करते रहे हैं।
इस मौके पर सीएम ने अपने कार्यकाल की भर्तियों को गिनाया। कहा कि हर पांचवे दिन नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम है। यह 26 जनवरी तक अनवरत चलेगा। पीएम मोदी के कार्यकाल में आप लोग युवा हुए हैं। सपा और कांग्रेस ने यूपी के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। आपको और आपकी पुरानी पीढ़ी को इन लोगों को माफ नहीं करना चाहिए। यूपी में दंगे होते थे, कर्फ्यू लगा रहता था। बेटी सुरक्षित नहीं थी।
सपा से विरासत में 34 लाख मुकदमे मिले थे
उन्होंने कहा कि अब सरकारी नौकरी भी लग रही है। व्यापार भी फल-फूल रहा है। क्योंकि अब कर्फ्यू नहीं लगता है। अब जब देश की इकोनॉमी की गिनती होती है तो यूपी का भी नाम आता है। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है। देश का ग्रोथ इंजन है। हमने 37 फीसदी घरौनी बनाई हैं। हमें सपा से विरासत में 34 लाख मुकदमे मिले थे। कुछ हमारी सरकार के भी हैं। हमने उनकी समय सीमा तय की। अब तक 37 लाख 81 हजार 363 मुकदमे निपटाए हैं। 3.78 लाख मुकदमे हर महीने निपटाए जा रहे हैं।

छठ पूजा में एक्सप्रेसवे पर बढ़ेगा यातायात का दबाव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में त्योहारों पर सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए सरकार प्रतिबद्ध



लखनऊ।
त्योहारों का उत्साह, अपनों से मिलने की उमंग और घर पहुंचने की खुशी के बीच प्रत्येक यात्री की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में शामिल है।
इसी उद्देश्य से दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर बढ़ने वाले यातायात के दबाव को देखते हुए योगी सरकार ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा सभी संबंधित एक्सप्रेसवे पर अतिरिक्त संसाधनों के साथ पूरी क्षमता से व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। यातायात के सुचारु संचालन, सड़क सुरक्षा और यात्रियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।
अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश निरस्त
त्योहारों के दौरान संभावित यातायात दबाव को देखते हुए सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। समस्त स्टाफ यात्रियों की सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर मुस्तैद रहेगा।
अनावश्यक जल्दबाजी न करें, धैर्य बनाए रखें
यूपीडा ने वाहन चालकों से अपील की है कि त्योहारों के दौरान एक्सप्रेसवे पर वाहनों की संख्या बढ़ने के कारण कुछ स्थानों पर अतिरिक्त प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

मिट्टी धंसने की घटना के बाद एहतियातन छह ट्रेनों के मार्ग बदले, सुरक्षित रेल परिचालन पर जोर

प्रयागराज।
मिजार्पुर-झिंगुरा रेलखंड के मध्य तीसरी रेल लाइन के निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने की घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। इसके तहत 10 नवंबर 2026 को संचालित होने वाली छह ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रेनों का संचालन सुचारु बनाए रखना है। परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनों में गाड़ी संख्या 15076 भी शामिल है। यह ट्रेन प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज रामबाग, फाफामऊ, जंघई, वाराणसी जंक्शन और चुनार के रास्ते संचालित की जाएगी।
इसके अलावा गाड़ी संख्या 12424, 22824, 12314, 12302 और 12310 का मार्ग भी बदला गया है। ये सभी ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज रामबाग, बनारस और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) के परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी।
यात्रा से पहले जानकारी लेने की अपील
उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मिजार्पुरझझिंगुरा रेलखंड में निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने की घटना को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

भारतीय संस्कृति, त्योहार, परंपराएं और विरासत अद्भुत हैं : डॉ दिनेश शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, लखनऊ विभाग ने आयोजित किया दीपोत्सव एवं कार्यकर्ता परिवार मिलन कार्यक्रम



लखनऊ ।
उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप राज्यपाल डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति, त्योहार, परंपराएं और विरासत अद्भुत हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में यह देश लगातार समृद्ध हो रहा है और अब भारत न तो दबता और न किसी को दबाता है। अगर कोई आंख उठाकर देखने की कोशिश करता है तो घर में घुसकर मारने की ताकत रखता है।
मुख्य अतिथि के रूप में डॉ शर्मा मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, लखनऊ विभाग द्वारा आयोजित दीपोत्सव एवं कार्यकर्ता परिवार मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन सिटी मॉन्टेसरी स्कूल ऑडिटोरियम (शहीद पथ), गोमती नगर विस्तार, लखनऊ में आयोजित किया गया। विधि विधान से कार्यक्रम का शुभारंभ होने के बाद कलाकारों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। अपने संबोधन में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप राज्यपाल डॉ शर्मा ने कहा कि कजरी व अन्य विलुप्त हो रही सांस्कृतिक विधाओं की यहां की गयी प्रस्तुतियां अद्भुत रहीं। यही भारतीय संस्कृति की विविधता और विरासत है।
इसीलिए तरह–तरह के त्योहार मनाए जाते हैं। अभी दीपोत्सव, अन्नकूट पर्व मनाए जा रहे हैं। अन्नकूट का उद्देश्य यही है कि कोई भी भूखा न रहे।
आने वाले दिन स्वर्णिम इतिहास के साक्षी बनने वाले हैं
उप राज्यपाल डॉ शर्मा ने कहा कि आज पूरा देश एक सूत्र में मजबूती के साथ खड़ा है। देश की जनता अपने नेतृत्व के साथ मजबूती से खड़ी है और कह रही है कि हम अपनी रक्षा कर सकते हैं। दुश्मन को जवाब भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिन स्वर्णिम इतिहास के साक्षी बनने वाले हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और वीर सावरकर की जेल यात्रा से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि एक अंधेरी कोठरी में वीर सावरकर ने दस साल बिताए।

प्रयागराज में 27 नवंबर को पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार मेला, देश-विदेश की कंपनियां देंगी नौकरी का अवसर

प्रयागराज।
सेना से सेवानिवृत्त होकर नागरिक जीवन में रोजगार की तलाश कर रहे पूर्व सैनिकों के लिए अच्छी खबर है। रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के अंतर्गत डायरेक्टोरेट जनरल रीसेटलमेंट (डीजीआर) की ओर से 27 नवंबर को प्रयागराज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। न्यू कैंटोनमेंट स्थित कोबरा ऑडिटोरियम में सुबह सात बजे से आयोजित होने वाले इस मेले में थल सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों को विभिन्न कंपनियों और औद्योगिक संस्थानों में रोजगार पाने का अवसर मिलेगा।



रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी एवं प्रवक्ता विंग कमांडर देबार्थो धर ने मंगलवार को बताया कि पूर्व सैनिकों को नागरिक कार्यक्षेत्र से जोड़ने और उनके अनुभव एवं कौशल का लाभ विभिन्न संस्थानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। पूर्व सैनिकों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, तकनीकी दक्षता और कार्य के प्रति समर्पण जैसे गुण होते हैं, जो निजी कंपनियों और औद्योगिक संस्थानों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।
उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन, परिवहन एवं भंडारण व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों के नियोक्ता शामिल होंगे। कंपनियों को पूर्व सैनिकों के बायोडाटा देखने और अपनी आवश्यकतानुसार योग्य अभ्यर्थियों का चयन करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही वे मेले में अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया भी पूरी कर सकेंगी।
विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में डीजीआर की ओर से देश के विभिन्न शहरों में पूर्व सैनिकों के लिए कुल 18 रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पूर्व सैनिकों के पुनर्वास, कल्याण और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

मथुरा: पुलिस पूरी तरह अलर्ट, धार्मिक स्थलों और बाजारों में चलाया गया सघन चेकिंग अभियान

मथुरा।
आगामी त्योहारों के मद्देनजर जनपद में मंगलवार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मथुरा पुलिस पूरी तरह अलर्ट नजर आ रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोक कुमार के निर्देशन में मथुरा और वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों, मंदिरों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान में स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एलआईयू और एंटी-सबोटाज चेक टीमों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।
थाना गोवर्धन के अंतर्गत दानघाटी मंदिर, मानसी गंगा मंदिर, बस स्टैंड और परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से सघन जांच-पड़ताल की गई। वहीं थाना वृंदावन क्षेत्र में ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर, इस्कॉन मंदिर, प्रेम मंदिर, माता वैष्णो देवी मंदिर और चारधाम छटीकरा में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए चेकिंग की गई।



इसके अतिरिक्त, बीडी डीएस (बम निरोधक दस्ता - बीडी डीएस) टीम द्वारा श्रीकृष्ण जन्मभूमि, पुराना बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, द्वारकाधीश मंदिर, पोतरा कुंड, होली गेट और शाही ईदगाह मस्जिद सहित कई संवेदनशील व प्रमुख स्थलों को विधिपूर्वक चेक किया गया।
त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस द्वारा भीड़भाड़ वाले बाजारों और व्यस्त सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में जनपद के सभी जांच किए गए स्थानों पर स्थिति पूरी तरह सामान्य है तथा शांति एवं कानून व्यवस्था कायम है।

देवरिया : तिरुपति बालाजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव, 56 व्यंजनों का लगा भोग

देवरिया।
रामानुजाचार्य मार्ग स्थित श्री तिरुपति बालाजी मंदिर भक्तिवाटिका में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। दोपहर तीन बजे विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद भगवान श्री तिरुपति बालाजी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। इस दौरान देर शाम तक मंदिर परिसर भजन-कीर्तन और जयकारों से गूंज उठा।
महोत्सव की तैयारियां सुबह से ही शुरू हो गई थीं। मंदिर को फूल-मालाओं से आकर्षक ढंग से सजाया गया। पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राजनारायणाचार्य ने भगवान श्री तिरुपति बालाजी का भव्य श्रृंगार कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।



इस अवसर पर स्वामी राजनारायणाचार्य ने 'मैं तो गोवर्धन को जाऊं, छटा तेरी तीन लोक से न्यारी है' भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद गौ माता और गोवर्धन की पूजा की गई। भगवान श्रीकृष्ण की सवारी मंदिर के गर्भगृह स्थित सभागार में पहुंची, जहां छप्पन भोग अर्पित किया गया। देर रात तक भजन-कीर्तन का सिलसिला चलता रहा।
स्वामी राजनारायणाचार्य ने कहा कि गाय भारत की आत्मा है और उसमें भगवान श्रीकृष्ण का वास माना जाता है। गौ सेवा से आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है।
पूजा के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया और भंडारे का आयोजन हुआ।

नाले में मिला युवक का गोली लगा शव

सिर में लगी थी गोली, पास में तमंचा, खोखा और जिंदा कारतूस बरामद

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में जसपुरा थाना क्षेत्र स्थित भुरवा नाले में मंगलवार शाम गोली लगा एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के सिर में गोली लगी थी। शव के पास देशी तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। देर शाम पुलिस ने शव की शिनाख्त हमीरपुर जनपद के युवक के रूप में कर ली।



मंगलवार शाम भुरवा नाले की ओर गए ग्रामीणों ने एक युवक का लहूलुहान शव पड़ा देखा। सूचना पर थाना प्रभारी राधाकृष्ण तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद सीओ सदर प्रतीक्षा सिंह और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस को शव के पास एक देशी तमंचा, एक खाली कारतूस और एक जिंदा कारतूस मिला। प्रारंभिक जांच में युवक द्वारा तमंचे से खुद को गोली मारने की आशंका जताई गई।
सीओ सदर प्रतीक्षा सिंह ने बताया कि युवक की पहचान धुंधपुर निवासी अंशु (20)के रूप में हुई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर होगी। पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।
दस माह पहले एक किलोमीटर दूर मिला था युवती का शव
भुरवा नाले में युवक का शव मिलने के बाद करीब एक किलोमीटर दूर तरौड़ा गांव के जंगल में दस माह पहले मिले अज्ञात युवती के शव का मामला भी चर्चा में आ गया है। बीती 24 फरवरी को जंगल में जानवर चरा रहे चरवाहों ने युवती का शव देखकर पुलिस को सूचना दी थी। करीब दस माह बीतने के बाद भी युवती की पहचान नहीं हो सकी है।
दोनों घटनास्थलों के बीच कम दूरी होने से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, हालांकि पुलिस ने दोनों घटनाओं के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है। ग्रामीणों ने युवक का शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस के देरी से पहुंचने की बात भी कही है।

स्कूटी टकराने के विवाद में युवक की हत्या करने वाला मुख्य आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के जनपद गोतमबुद्धनगर नोएडा में स्कूटी टकराने के विवाद में एक युवक की हत्या करने और दूसरे को अधमरा करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित को थाना फेस-1 पुलिस ने बुधवार सुबह को एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली इसके पैर में लगी है। इसके एक अन्य साथी को पुलिस ने बीती रात को गिरफ्तार किया था।
पुलिस उपायुक्त नोएडा प्रीति यादव ने बताया कि थाना फेस-1 पुलिस आज सुबह को नयाबांस गांव के पास स्थित पार्क के पास चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को सूचना मिली कि आठ नवंबर को एक युवक की सिर फोड़कर हत्या करने वाले आरोपित पार्क में बैठे हैं। वे कहीं भागने की फिराक में है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पार्क में छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुलिस को देख बदमाश वहां से भागने लगे। जब पुलिस ने उन्हें घेरा तो उन्होंने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी।



उन्होंने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली आफताब उर्फ तुलसी पुत्र रियाजुद्दीन के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक देशी तमंचा, कारतूस आदि बरामद किया है।

कोचीन एयरपोर्ट बार लाइसेंस रद्द, सरकार की नई नीति बनी वजह

तिरुवनंतपुरम ।

केरलम आबकारी विभाग ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'अर्थ लाउंज बार' को मिली एफएल-7 लाइसेंस की मंजूरी रद्द कर दी है। यह निर्णय राज्य सरकार के निर्देश पर लिया गया, जिसमें सभी नए लाइसेंस आवेदनों पर 2026-27 की आबकारी नीति के तहत ही विचार करने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आबकारी आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे जयशंकर आर ने लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी किया। यह कदम हवाई अड्डे पर बार लाइसेंस देने को लेकर चल रहे विवादों के बीच आया है। इससे पहले, तत्कालीन आबकारी आयुक्त का तबादला भी हुआ था। विभाग ने नेदुंबस्सेरी स्थित एक निजी होटल समूह को 23 जून, 2026 को आवेदन पर टर्मिनल-3 में बार चलाने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए सालाना दो लाख रुपये लाइसेंस शुल्क तय था।

चीन का व्यापार अधिशेष फिर 1 लाख करोड़ डॉलर के पार

उच्च प्रौद्योगिकी निर्यात से रिकॉर्ड वृद्धि, घरेलू मांग की सुस्ती को संभाला

हांगकांग ।

चीन ने लगातार दूसरे साल एक लाख करोड़ डॉलर (1 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक का व्यापार अधिशेष दर्ज किया है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मजबूत निर्यात और विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान की है। सीमा शुल्क एजेंसी के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर के बीच चीन का व्यापार अधिशेष 1.04 लाख करोड़ डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में सालाना आधार पर 35.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जिसमें सेमीकंडक्टर और मोटर वाहन जैसे उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रमुख रहे। हालांकि, आयात में भी 41.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जिसके चलते अक्टूबर का व्यापार अधिशेष सितंबर के 133.5 अरब डॉलर से घटकर 105.3 अरब डॉलर रह गया। इसके बावजूद, चीन पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष को पार करने की राह पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मजबूत निर्यात ने चीन में घरेलू मांग की सुस्ती की भरपाई की है, जिससे देश इस साल अपने 4.5 से 5 प्रतिशत के वार्षिक आर्थिक वृद्धि लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेगा।

बिहार में वैश्विक विकास सम्मेलन जनवरी में, आर्थिक खाके पर होगा मंथन

अगले साल जनवरी में पटना में जुटेगा उद्योग जगत, शिक्षाविद व प्रवासी समुदाय

पटना ।

बिहार अगले साल जनवरी में राज्य के आर्थिक विकास का खाका तैयार करने के उद्देश्य से एक दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 12 और 13 जनवरी को पटना में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में लगभग 1,500 शिक्षाविद, नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और राज्य के प्रवासी समुदाय के सदस्य जुटेंगे। उद्योग विभाग के बयान के अनुसार बिहार के कायाकल्प पर वैश्विक सम्मेलन 2027 का आयोजन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी), बिहार फाउंडेशन और नालंदा विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर बिहार के लिए एक समृद्ध, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु साझा दृष्टिकोण तैयार करना है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने पटना में सम्मेलन के पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह पहल राज्य के विकास में विभिन्न हितधारकों के योगदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

भारत में चीनी का कड़वा सच- बढ़ती कीमतें और चुनौतियां

नई दिल्ली ।

त्यौहारी सीजन बीत जाने के बावजूद, भारत में चीनी की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। खुदरा बाजारों में औसत भाव करीब 59.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुँच चुका है, जबकि थोक में भी यह 55.40 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास दर्ज हो रहा है। दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक और उपभोक्ता देशों में से एक होने के नाते, भारत में यह स्थिति कई जटिल कारणों का परिणाम है।इस वर्ष चीनी की कीमतों में वृद्धि के मुख्य कारणों में गन्ने के उत्पादन में कमी और पेराई सत्र में देरी शामिल है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में अल-नीनो के प्रभाव के चलते मानसून के दौरान कम बारिश हुई, जिससे गन्ने की पैदावार पर सीधा असर पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान से गिरी कीमतें, ब्रेंट 92 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिली है। महज दो कारोबारी दिनों में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 6.5 प्रतिशत से अधिक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने की उम्मीदें हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं को कम किया है। मंगलवार सुबह ब्रेंट क्रूड 91.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई 86.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पिछले शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले ब्रेंट करीब 6.47 फीसदी और डब्ल्यूटीआई 5.24 फीसदी सस्ता हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि यदि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ती है तो अमेरिका की ओर से नए हमले होने की संभावना कम है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। जानकारों के अनुसार, वैश्विक बाजार में पर्याप्त तेल आपूर्ति भी कीमतों पर दबाव डाल रही है, पिछले सप्ताह भी ब्रेंट क्रूड में 16 फीसदी की बड़ी साप्ताहिक गिरावट



देखी गई थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक जोखिम अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तेल टैंकरों पर हमलों की खबरें आपूर्ति को लेकर जोखिम बरकरार रखती हैं, और बातचीत विफल होने या संघर्ष बढ़ने पर तेल की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं। भारत के लिए यह गिरावट बेहद फायदेमंद है, क्योंकि यह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरतों को आयात से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी से देश का तेल आयात बिल घटेगा, जिससे व्यापार और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

एडवेंचर बाइक होंडा अफ्रीका ट्विन का 2027 मॉडल प्रदर्शित

नई दिल्ली ।

होंडा ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी लोकप्रिय एडवेंचर बाइक अफ्रीका ट्विन का 2027 मॉडल प्रदर्शित किया। नए मॉडल का ट्विन-सिलेंडर इंजन अब 1,084 सीसी के बजाय 1,131 सीसी क्षमता का है। यह इंजन 118.9 हॉर्सपावर की ताकत और 119 न्यूटन मीटर का टॉर्क पैदा करता है। इंजन क्षमता और पावर में बढ़ोतरी का उद्देश्य लंबी दूरी की यात्रा तथा कठिन रास्तों पर मोटरसाइकिल के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है।

नई अफ्रीका ट्विन के साथ कंपनी ने एंड्यूरो स्पोर्ट्स नाम का एक नया ऑफ-रोड केंद्रित संस्करण भी पेश किया है। इसे खास तौर पर उन राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो सामान्य सड़कों के अलावा कच्चे और पथरीले रास्तों पर भी मोटरसाइकिल चलाना पसंद करते हैं। इस संस्करण में मैन्युअल रूप से एडजस्ट किया जा सकने वाला शोआ सस्पेंशन दिया गया है। आगे की तरफ 240 मिलीमीटर और पीछे 230 मिलीमीटर का सस्पेंशन ट्रैवल मिलता है। इसके साथ 260 मिलीमीटर का ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इन खूबियों के कारण बाइक को ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतर तरीके से चलाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस से बड़े पत्थरों और रास्ते की अन्य बाधाओं से निचले हिस्से के टकराने की आशंका कम हो सकती है। वहीं, लंबे सस्पेंशन ट्रैवल से झटकों को संभालने की क्षमता बढ़ती है। होंडा वर्ष 2022 तक भारतीय बाजार में अफ्रीका ट्विन की बिक्री करती रही थी। इसके बाद से इसकी वापसी को लेकर ग्राहकों में रुचि बनी हुई है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बढ़ाए सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील के दाम

साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में से एक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने कई लोकप्रिय घरेलू उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है, जिससे घर का बजट प्रभावित होने की आशंका है। कंपनी ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स के साथ-साथ मोती गुलाब जैसे साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की है।

इस मूल्य वृद्धि के बाद अब कपड़े धोना और अन्य घरेलू सफाई उत्पाद खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, सर्फ एक्सेल क्विक वॉश का 1 किलोग्राम पैक अब 235 रुपये के बजाय 245 रुपये में मिलेगा, जबकि इसके 500 ग्राम वाले पैक की कीमत भी 123 रुपये से बढ़कर 128 रुपये हो गई है। रिन और व्हील डिटर्जेंट पाउडर के 1 किलोग्राम पैक में भी 3 रुपये का इजाफा हुआ है। इसी तरह, मोती गुलाब साबुन का 150 ग्राम पैक अब 74 रुपये से बढ़कर 82 रुपये का हो गया है, जो लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एचयूएल ने बढ़ती कच्चे माल की लागत और उत्पादन खर्चों के दबाव को इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण बताया है। कंपनी का मानना है कि मुनाफा बनाए रखने के लिए ऐसी सीमित बढ़ोतरी आवश्यक है।

कच्चे तेल में गिरावट से बॉन्ड यील्ड लुढ़की,आरबीआई को मिलेगी राहत

वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और तेल कीमतों में गिरावट के चलते आया बदलाव

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के चलते भारतीय बॉन्ड बाजार में रौनक लौट आई। बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड लगभग 4 आधार अंक गिरकर 7.15 फीसदी पर बंद हुई, जबकि शुक्रवार को यह 7.19 फीसदी पर थी। डीलरों के मुताबिक, यह तेजी मुख्य रूप से ब्रेंट क्रूड की कीमतों में आई भारी गिरावट के कारण देखी गई। कच्चे तेल की कीमतों में इस नरमी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए आगामी बैठक में ब्याज दरों को यथास्थिति पर बनाए रखने की संभावना बढ़ा दी है। विश्लेषकों का मानना है कि दिसंबर की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार की उम्मीदें बदल गई हैं। अब 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बजाय 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी या यथास्थिति बनाए रखने की प्रबल संभावना है। कुल मिलाकर, तेल की कीमतों में नरमी, भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम में कमी और मौद्रिक नीति को लेकर बदली उम्मीदें बाजार के रुझान को धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में ले जा रही हैं। पिछले हफ्ते भी बेंचमार्क यील्ड में 23 आधार अंक की गिरावट आई थी, जो लगभग सात वर्षों में सबसे बड़ी



साप्ताहिक गिरावट थी। यह अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष के समाधान की उम्मीदों से जुड़ी थी। हालांकि, सकारात्मक बाजार रुझानों के बीच भारतीय रुपये में सोमवार को मामूली गिरावट दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले 94.83 पर खुलने के बाद, रुपया दिन के दौरान कमजोर होकर 94.14 तक आ गया, और अंततः 94.93 पर बंद हुआ, जबकि पिछली बार यह 93.91 पर बंद हुआ था।

हिमाचल में एनपीके उर्वरक की आपूर्ति बहाल,किसानों को मिली राहत

2,700 टन एनपीके 12-32-16 पहुंचा, इफको ने की पुष्टि, बढ़ी कीमतों से किसान परेशान

ऊना ।

हिमाचल प्रदेश में गेहूं की बुवाई से पहले किसानों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) ने राज्य को लगभग 2,700 मीट्रिक टन एनपीके (12-32-16) उर्वरक की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी है, जिससे कृषि कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इफको के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि यह महत्वपूर्ण खेप राज्य पहुंच चुकी है और इसे किसानों के बीच वितरित भी कर दिया गया है। एनपीके 12-32-16 एक उच्च फॉस्फोरस वाला मिश्रित उर्वरक है जो पौधों के शुरुआती विकास, जड़ों की वृद्धि और फूल आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इफको के एक अे धिकारी ने बताया कि गुजरात से आई इस पहली खेप के बाद, इतनी ही मात्रा की एक और आपूर्ति का अनुरोध किया गया है, जिसके जल्द पहुंचने की उम्मीद है। उर्वरक वितरण श्रृंखला को



मजबूत करने और यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास भी जारी हैं, हालांकि यूरिया आवंटन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। हालांकि, इस सकारात्मक खबर के साथ एक चिंता भी जुड़ी है।

ज्योति लैब्स बायबैक की कीमत बढ़ी, शेयरों की संख्या घटी

नई दिल्ली ।

ज्योति लैब्स लिमिटेड ने अपने शेयर बायबैक प्रस्ताव में संशोधन किया है।

कंपनी ने बायबैक की प्रति शेयर कीमत को 215 रुपए से बढ़ाकर 240 रुपए कर दिया है। हालांकि, बायबैक किए जाने वाले शेयरों की अधिकतम संख्या 68.37 लाख से घटाकर 61.25 लाख कर दी गई है।

कंपनी की बायबैक कमेटी ने 9 नवंबर को इन बदलावों को मंजूरी दी।

संशोधित शर्तों के तहत, ज्योति लैब्स अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 61.25 लाख तक फुली पेड-अप इक्विटी शेयरों का बायबैक करेगी, जो कंपनी की कुल पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल के 1.67 फीसदी के बराबर है।

यह बायबैक टेंडर ऑफर रूट के जरिए आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। पुराने प्रस्ताव में कुल 147 करोड़ रुपए तक के बायबैक की घोषणा की गई थी, लेकिन संशोधित प्रस्ताव में कुल बायबैक राशि का कोई विवरण नहीं दिया गया है। शेयर बायबैक में कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स से शेयर वापस खरीदती है।

अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ी

बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि एक और साल के लिए बढ़ा दी है। यह विस्तार 24 नवंबर, 2026 से प्रभावी होगा, जिससे बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा। केंद्रीय बैंक ने खराब प्रशासनिक मानकों के चलते यह कदम उठाया है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि समीक्षा के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा है कि सार्वजनिक हित में बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ाना जरूरी है। गौरतलब है कि बैंक में खराब प्रशासनिक मानकों से जुड़ी गंभीर चिंताओं के कारण आरबीआई ने नवंबर, 2023 में उसके निदेशक मंडल को हटाकर प्रशासक नियुक्त किया था। यह तीसरी बार है जब निदेशक मंडल की बहाली को टाला गया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक प्रशासक के रूप में बने रहेंगे, जिन्हें मौजूदा सलाहकार समिति के सदस्य वेंकटेश हेगड़े, देवेंद्र कुमार और सुहास गोखले सहयोग देंगे।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया करेगा रणनीतिक विस्तार

कंपनी रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में तलाश रही है अवसर

नई दिल्ली ।

वाहन कलपुर्जे बनाने वाली अग्रणी कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र से आगे अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इसके लिए अधिग्रहण के अवसरों की तलाश में है ताकि रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बना सके।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया अपने कारोबार में विविधता लाने और उसे बढ़ाने के लिए अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि वे संबंधित क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य नए क्षेत्रों में भी विविधीकरण के अवसर तलाश रहे हैं। इसके साथ ही टेनेको ऐसे वाहन उत्पादों का दायरा भी बढ़ाएगी जो किसी एक पावरट्रेन पर निर्भर न हों, बल्कि आंतरिक दहन इंजन (आईसीई, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन, तीनों में उपयोग किए जा सकें।

चंद्रा ने यह भी बताया कि कंपनी की ऑर्डर बुक बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछली तिमाही में लगभग 12,000 करोड़ रुपये थी। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और विकास क्षमता को दर्शाता है।

डीजीटीआर ने चार देशों से एल्यूमीनियम उत्पादों की डंपिंग की जांच शुरू की

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई ने घरेलू उत्पादकों को राहत देने के लिए स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड से आयातित एल्यूमीनियम उत्पादों की कथित डंपिंग के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को इन सस्ते आयातों से होने वाले नुकसान से बचाना है। आमतौर पर ऐसी जांच घरेलू उत्पादकों के आवेदन पर शुरू होती है, लेकिन उद्योगों के पास अक्सर आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता की कमी होती है। इसी वजह से डीजीटीआर ने स्वयं इस मामले को उठाया है। एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलेमाई), जो 228 निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है, के अभ्यावेदनों के आधार पर महानिदेशालय ने पाया कि डंपिंग के कारण आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। जांच के दायरे में खिड़कियों, दरवाजों, सौर ऊर्जा संयंत्रों की संरचनाओं, फर्नीचर और साइकिल के पुर्जों जैसे औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों में उपयोग होने वाले विभिन्न एल्यूमीनियम उत्पाद शामिल हैं। डीजीटीआर डंपिंग के अस्तित्व, उसकी मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का पता लगाएगा। यदि डंपिंग साबित होती है, तो महानिदेशालय घरेलू उद्योग को हुए नुकसान की भरपाई के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। इस पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत, देश अपने घरेलू उद्योगों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए ऐसे शुल्क लगा सकते हैं। भारत पहले भी चीन सहित विभिन्न देशों से आने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

दिवाली पर ग्राहकों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर की ताबड़तोड़ खरीदारी

मिठाइयों, दीयों और सोने के सिक्कों की घर बैठे डिलीवरी



नई दिल्ली ।

इस दिवाली पारंपरिक बाजारों की भीड़ से बचकर लोगों ने घर बैठे त्योहार की खरीदारी को प्राथमिकता दी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने इस साल दिवाली पर शानदार कारोबार दर्ज किया, जो ग्राहकों की अंतिम समय की जरूरतों को पूरा करने में सफल रहे। स्विगी इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मिठाइयों से लेकर सजावट के सामान तक की खूब बिक्री हुई, जिससे ऑनलाइन डिलीवरी का महत्व रोजमर्रा की जरूरतों से कहीं आगे निकल गया है।

जेप्टो के आंकड़ों के अनुसार, इस दिवाली फेस्टिव हैम्पर के ऑर्डरों में पिछले साल के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई। ग्राहकों ने लगभग 4.68 लाख दीयों का ऑर्डर दिया, जबकि फूलों और मालाओं की मांग ढाई गुना बढ़ी। मिठाइयों में लड्डू ने ऑर्डर संख्या में बढ़त बनाई, वहीं कुल मात्रा के लिहाज से सोन पापड़ी सबसे आगे रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर भी खरीदारी में अच्छी तेजी दिखी, जहां पार्टी की तैयारी के सामान में सालाना आधार पर 162 फीसदी और स्नैक्स की मांग में 42 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मिठाइयों में काजू कतली ग्राहकों की पहली पसंद बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि दिवाली की शाम डाइट कोक इंस्टामार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला गैर-किराने का उत्पाद रहा।

मरीगांव के कपिली नदी में अवैध रेत खनन का आरोप

मरीगांव रेंजर मुनमी गोगोई पर कार्रवाई न करने का सवाल



असम। **असम** के मरीगांव रेंज के अधीन धर्मकुंड-गरुबंधा क्षेत्र में कपिली नदी से अवैध रेत खनन जारी रहने का गंभीर आरोप लगाया जा रहा है। आरोप है कि नदी किनारे भारी मशीनों से रेत निकाली जा रही है, लेकिन वन विभाग की ओर से प्रभावी रोकथाम या कानूनी कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

आरोप यह भी है कि इस क्षेत्र में रेत खनन की गतिविधि लंबे समय से चल रही है, फिर भी मरीगांव रेंज अधिकारी मुनमी गोगोई के नेतृत्व वाले रेंजर कार्यालय की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई है । स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारियों पर किसी प्रकार का दबाव होने से कार्रवाई रुकी हुई है या मरीगांव रेंजर को किसी तरह वन माफिया द्वारा ह्लमैनेजह्व किया गया है। हालांकि, यह आरोप अभी तक आधिकारिक रूप से सत्यापित नहीं हुआ है। बता दें कि पहले भी कपिली और कोलोंग नदियों में मशीनों से रेत निकालने तथा अधिकारियों की उदासीनता के आरोप लगाए गए थे। इन आरोपों पर तत्कालीन रेंज अधिकारी की ओर से कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया था।

कपिली नदी के किनारों से बिना अनुमति और नियंत्रण के रेत निकालने से किनारा कटाव, मिट्टी क्षरण तथा जलीय जीवन को नुकसान का खतरा बढ़ सकता है। खबर है कि अत्यधिक खनन से क्षेत्र की सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और पर्यावरण प्रदूषित हुआ है। रेत को असम में लघु खनिज माना जाता है। इसके खनन के लिए पर्यावरणीय मंजूरी के साथ निकाली जाने वाली रेत की मात्रा और खनन की गहराई संबंधी शर्तें तय की जाती हैं; इन शर्तों के बिना खनन को अवैध माना जाता है। बोरीबाड़ी सहित आसपास के गांवों के लोगों की मांग है कि धर्मकुंड-गरुबंधा क्षेत्र में तत्काल जांच की जाए। लोगों का कहना है कि अवैध खनन को तुरंत रोका जाए और इसमें शामिल जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वन विभाग की निगरानी प्रभावी नहीं हुई, तो नदी का पारिस्थितिक तंत्र और आसपास के गांवों को बड़ा नुकसान हो सकता है।

सचेत मंडली वन मंत्री जयंत मल्ल बरुवा और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से इन मामलों में हस्तक्षेप की मांग कर रहे है। अब सवाल यह है कि मरीगांव रेंजर मुनमी गोगोई इस मामले में कब और कैसी कार्रवाई करेंगी? किस वजह से इतना सबकुछ होने के बाद भी रेंजर कार्यालय पीछे हटा हुआ है? क्या सचमुच रेंजर मुनमी गोगोई वन माफिया द्वारा मेनेज होने के कारण यह सब देखकर भी अनदेखी कर रहे हैं? जागरूक जनता वन विभाग के उच्च अधिकारियों और वनमंत्री से इन सबके ऊपर पारदर्शी जांच और ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे है।

मुंबई भागने की फिराक में थे टीएमसी विधायक परेश



कोलकाता। पश्चिम बंगाल की कैनिंग पश्चिम विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक परेश राम दास को पुलिस ने सोमवार को बलात्कार के गंभीर आरोप में कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विधायक मुंबई भागने की तैयारी में थे, तभी बारुईपुर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने विधाननगर पुलिस के सहयोग से उन्हें धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद उन्हें बारुईपुर पुलिस मुख्यालय ले जाया गया, जहां उनसे लंबी पूछताछ की गई। मंगलवार को उन्हें संबंधित अदालत में पेश किया जाएगा। कैनिंग थाने में 5 सितंबर को दर्ज हुआ था मुकदमा गंभीर धाराओं में केसः बारुईपुर जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विधायक दास के खिलाफ 5 सितंबर को कैनिंग थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 420 (धोखाधड़ी), 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

विधायक का बयानः गिरफ्तारी के बाद परेश राम दास ने मीडियाकर्मियों से कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि उन्हें किस मामले में पकड़ा गया है। हालांकि, पुलिस ने साफ तौर पर पुष्टि की है कि यह कार्रवाई दुष्कर्म के मामले में ही की गई है।

पुराना आपराधिक रिकॉर्डः पुलिस के मुताबिक, विधायक के खिलाफ सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत भी पुराने मामले दर्ज हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल सीआईडी ने भी उनसे पूछताछ की थी।

गिरफ्तारी की टाइमिंग पर तृणमूल कांग्रेस में अंदरूनी कलह

विधायक की गिरफ्तारी के बाद कुणाल घोष ने खड़े किए सवालः पार्टी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा, "परेश जब तक ऋतब्रत बनर्जी गुट में थे, तब तक सब ठीक था। अब जब वे ममता गुट में वापसी का प्रयास कर रहे थे, ठीक उसी वक्त उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।"

अरूप राय का पलटवारः वहीं दूसरी तरफ, अरूप राय ने इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुलिस को परेश दास के खिलाफ निश्चित रूप से कोई ठोस सबूत मिले होंगे, जिसके आधार पर ही यह कानूनी कार्रवाई की गई है

इंदौर के हिंगोट युद्ध में 20 से ज्यादा लोग झुलसे, एक घंटे तक बरसते रहे आग के गोले

इंदौर। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर के गौतमपुरा में वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार दीपावली के दूसरे दिन हुए हिंगोट युद्ध में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। करीब एक घंटे तक मैदान का आकाश आग के गोलों से छाया रहा।

गौतमपुरा के देवनारायण मंदिर के सामने स्थित मैदान युद्ध के मैदान जैसा नजर आया, यहां आसमान से गुजरते आग के गोले एक तरफ से दूसरी तरफ गिरते रहे, यह नजारा था हिंगोट युद्ध का। यहां तुर्रा और कलंगी दो दलों के बीच यह युद्ध हुआ। इस नजारे को देखने हजारों लोग मौके पर पहुंचे, दर्शकों की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने पूरे इंतजाम किए। एक तरफ जहां जाली लगाई गई , वहीं सुरक्षा बल की तैनाती की गई, इसके अलावा प्राथमिक उपचार से लेकर एंबुलेंस की व्यवस्था भी मौके पर रही।

दीपावली के बाद सोमवार को हुए हिंगोट युद्ध में तुर्रा और कलंगी टीमों के बीच वार पलट वार हुआ, आकाश पूरी तरह आग के गोलों में बदल गया, बचाव के लिए कई योद्धा हाथ में ढाल लिए हुए थे इसके बावजूद 20 से ज्यादा लोग झुलस गए।

स्थानीय लोगों की माने तो यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और इसमें तुर्रा और कलंगी हिंगोट के जरिए एक दूसरे पर हमला बोलते हैं। पिछले सालों में कई बार लोग घायल हुए हैं। प्रशासन द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं से यहां के लोग संतुष्ट हैं। प्रशासन ने यहां युद्ध में हिस्सा लेने वाले दलों के सदस्यों को कई बार हेलमेट पहनना और हाथ में एक सुरक्षा कवच लेने की भी सलाह दी।

हिंगोट युद्ध को लेकर गौतमपुरा और आसपास के लोगों में एक माह पहले तैयारी शुरू हो जाती है।

भारत और सऊदी अरब के बीच हज 2027 समझौता, भारत के 1,75,025 यात्रियों का कोटा तय

रियाद। सऊदी अरब के साथ समझौते के तहत भारत के लिए 175,025 तीर्थयात्रियों का कोटा तय किया गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फवजान अल-रबियाह ने हज 2027 के लिए द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों मंत्रियों ने हज 2027 की तैयारियों की भी समीक्षा की। जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पोस?ट पर कहा, "हज 2027 के लिए भारत-सऊदी अरब सहयोग को और मजबूत किया गया है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री डॉ. तौफीक बिन फौजान अल-रबियाह के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और हज 2027 के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारत के लिए 1,75,025 यात्रियों का कोटा सुनिश्चित हुआ।" दूतावास ने बताया कि? बैठक में हज यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं, संचालन संबंधी प्राथमिकताओं और भारतीय हज यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुचारू और बेहतर यात्रा सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने इस दिशा में आपसी समन्वय को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

किरेन रिजिजू शुक्रवार को जेद्दा पहुंचे थे। उनकी यात्रा का उद्देश्य '6वें हज सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 2027' में भाग लेना, सऊदी अरब के साथ हज समझौते पर हस्ताक्षर करना और अगले वर्ष भारतीय हज यात्रियों के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की तैयारियों का जायजा लेना था। अपनी इस यात्रा के दौरान रिजिजू ने हज यात्रियों के कल्याण के लिए सऊदी अरब की लगातार प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने भारत और सऊदी अरब के मजबूत संबंधों तथा सफल हज 2027 के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

रिजिजू ने 'एक?स' पोस?ट पर लिखा, "हज यात्रियों के कल्याण और हज 2027 के सफल आयोजन के लिए साझा संकल्प के साथ भारत-सऊदी अरब साझेदारी को और मजबूत किया जा रहा है। भारतीय महावाणिज्यदूत फहद सूरी और संयुक्त सचिव (हज) मोहम्मद अफजल के साथ मैंने जेद्दा में आयोजित 6वें हज सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 2027 के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया।"शनिवार को रिजिजू ने सऊदी हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फौजान अल-रबिया की ओर से आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज समारोह में भी भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा, "गर्मजोशी भरे स्वागत और विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों से मिलने का अवसर देने के लिए मैं आभारी हूं।

सार संक्षेप

पसमांदा समाज के उत्थान के लिए वक्फ संपत्तियों का हो पारदर्शी इस्तेमाल



नई दिल्ली। पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए वक्फ संपत्तियों के बेहतर उपयोग का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि वक्फ संपत्तियों का पारदर्शी हिसाब-किताब होना चाहिए और उनसे प्राप्त आय का उपयोग समाज के जरूरतमंद लोगों के कल्याण में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पसमांदा समाज के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए आधुनिक स्कूल और छात्रावास स्थापित किए जाने चाहिए। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार भी जरूरी है। अनीस मंसूरी ने बुनकरों और दस्तकारों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए आधुनिक तकनीक, सस्ती बिजली और उचित बाजार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकार संपन्न पसमांदा विकास आयोग के गठन की भी मांग की। अधिवेशन में जातिगत जनगणना, सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण और संवैधानिक अधिकारों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम के संयोजक आजाद मंसूरी सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समापन पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन मंसूरी ने संगठन की भावी योजनाओं की जानकारी दी।

कर्नाटक के बाद केरल में भी पेट्रोल की औचक जांच शुरू

20 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल मिलावट की आशंका, 4 जिलों से लैब भेजे गए सैंपल

तिरुवनंतपुरम। पड़ोसी राज्य कर्नाटक में पेट्रोल में 31.2 फीसदी तक इथेनॉल पाए जाने के खुलासे के बाद अब केरल सरकार ने भी सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। राज्य सरकार ने पेट्रोल में निर्धारित 20 फीसदी से अधिक इथेनॉल की मिलावट की जांच के लिए सोमवार से व्यापक स्तर पर पेट्रोल के सैंपल जुटाने शुरू कर दिए हैं। चार प्रमुख जिलों में औचक निरीक्षण, ठअइछ लैब भेजे गए नमूनेकेरल के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री अनूप जैकब ने राज्य के चार जिलों में अचानक जांच के आदेश दिए हैंः उत्तर और दक्षिण केरल से सैंपलिंगः राजधानी तिरुवनंतपुरम, एनार्कुलम, कोझिकोड और कन्नूर जिलों के विभिन्न पेट्रोल पंपों से ईंधन के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं।

10 दिनों में आएंगे नतीजेः मंत्री अनूप जैकब ने बताया कि सभी सैंपल तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सील किए जा रहे हैं। इन्हें जांच के लिए सरकारी और एनएबीएल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में भेजा गया है, जिनकी रिपोर्ट अगले 10 दिनों में आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के आधार पर सरकार आगे की कानूनी कार्रवाई तय करेगी।

कर्नाटक के नतीजों के बाद अलर्ट, माइलेज और इंजन खराबी की शिकायतेंकर्नाटक का हवालाः कर्नाटक में हाल ही में हुई जांच में पेट्रोल में इथेनॉल का अनुपात 20 फीसदी की तय सीमा से कहीं अधिक (31.2 फीसदी तक) पाया गया था, जिसके बाद दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में भी चिंता बढ़ गई है।

वाहन चालकों की परेशानीः अनूप जैकब ने कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की चिंताओं का समर्थन करते हुए कहा कि केरल में भी लगातार वाहन चालक माइलेज घटने, पिकअप में कमी और इंजनों में तकनीकी खराबी आने की शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। इसी जनहित से जुड़ी समस्या को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

असम में बेदखली अभियान जारी रहेगा: मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा

असम। **अस**म के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे बेदखली अभियान में कोई ढील नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी और संरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जे हटाने के लिए कार्रवाई कर रही है, और इसमें किसी धार्मिक समुदाय को लक्षित नहीं किया जा रहा है। लाहोवाल, डिब्रूगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान सरमा ने कहा, न केवल अल्पसंख्यक, बल्कि हिंदुओं को भी बेदखल किया गया है।

उन्होंने दोहराया कि अभियान का उद्देश्य सरकारी तथा संरक्षित वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां आवश्यकता होगी, वहां बेदखली जारी रहेगी, लेकिन यह किसी विशेष धर्म के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों की सुरक्षा और मानव-हाथी संघर्ष कम करने के लिए भी यह कार्रवाई आवश्यक है। सरमा ने यह भी कहा कि वास्तविक भूमिहीन लोग ह्यबसुंधराह्ल योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने ही क्षेत्र में भूमि के लिए प्रयास करना चाहिए, न कि दूसरे जिलों में जाकर अतिक्रमण करना चाहिए।

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण, जवाबदेह और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रतिबद्ध : निशांत



पटना। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं व्यावसायिक मानकों को और सुदृढ़ करने की दिशा में बिहार राज्य संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखभाल परिषद एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। परिषद के क्रियाशील होने के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण, जवाबदेह और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस परिषद के माध्यम से राज्य के संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों के लिए एक पारदर्शी और प्रभावी नियामक व्यवस्था विकसित की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि परिषद का गठन राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखभाल वृत्ति आयोग अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के अनुरूप किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य राज्य में संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के विकास, पंजीकरण, नियमन तथा उनके व्यावसायिक मानकों को सुनिश्चित करना है। परिषद राज्य में इन पेशेवरों के पंजीकरण एवं राज्य रजिस्टर के रख-रखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता केवल चिकित्सकों और चिकित्सा सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें फिजियोथेरेपी, मेडिकल लैबोरेटरी साइंस, रेडियोलॉजी, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न संबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इन क्षेत्रों में कार्यरत पेशेवरों की योग्यता, दक्षता और निर्धारित शैक्षणिक एवं व्यावसायिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। परिषद के माध्यम से इन सभी क्षेत्रों में पेशेवर गुणवत्ता एवं जवाबदेही को बढ़ावा मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रशिक्षित एवं योग्य मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

परिषद के अंतर्गत स्वायत्त बोर्ड एवं सलाहकार बोर्ड के गठन की प्रक्रिया भी जारी है, जिसे शीघ्र पूरा किया जाएगा।

मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि परिषद के अध्यक्ष, सदस्यों, अधिकारियों, शिक्षण संस्थानों एवं स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के सामूहिक प्रयास से बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने परिषद के सफल संचालन की कामना करते हुए कहा कि यह पहल विकसित एवं सशक्त बिहार के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डल्ली ३२ौल्ल३

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी वलां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुक्की ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर सीधा हमला, खुली बहस के लिए फिर ललकारा



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की सीधी चुनौती दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीआरपीएफ के जवानों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने तीखा हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री उनके साथ आमने-सामने बैठकर बहस करें कि असल में देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है। पिछले 8 दिनों के भीतर राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री को बहस के लिए दी गई यह छठी चुनौती है। सीआरपीएफ जवानों का जिक्र कर राहुल का तीखा हमला राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के बस्तर दौरे का वीडियो साझा करते हुए लिखा-"चेहरों ने सब बता दिया": राहुल ने पोस्ट में लिखा, "प्रिय उफ्छक्रके जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया–आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं है। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती अब भी कायम है। वो मुझसे बहस करें– देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। समय और जगह वे खुद तय करें।"

संघ 100 साल से किसी की कृपा से नहीं, स्वयंसेवकों के समर्पण से चल रहा: मोहन भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को नागपुर नागरिक सहकारी बैंक के मुख्यालय और सभागार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। मंच से बोलते हुए मोहन भागवत ने सबसे पहले वहां मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों और सभागार में बैठे सभी नागरिकों, महिलाओं और युवतियों का अभिवादन किया।

उन्होंने कहा कि इसे बताने की आवश्यकता नहीं है लेकिन यह कार्यक्रम अपने आप में खास है। मोहन भागवत ने कहा, "आज दो कार्यक्रम हैं। एक भवन का उद्घाटन और दूसरा प्रचारकों पर आधारित स्मृति ग्रंथ का विमोचन। नितिन गडकरी के मन में जो विचार आया, वही मेरे मन में भी आया कि एक तपस्या है और दूसरा उसका परिणाम। आज हम दोनों का एक साथ अनुभव कर रहे हैं।"उन्होंने एक पुरानी कहानी सुनाते हुए अपनी बात समझाई। मोहन भागवत ने कहा कि आप सभी ने यह कहानी सुनी होगी। मैंने भी इसे उन्हीं के साथ सुना था। शेष जी एक कहानी सुनाया करते थे। कहानी के अनुसार, एक राजा अपनी सेना के साथ जंगल में रास्ता भटक गया

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी